मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 44
शुक्रवार, 21 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

जंतर-मंतर प्रदर्शन में लाठीचार्ज पर सुप्रीम कोर्ट का एक्शन, बनाई हाई लेवल कमेटी

नई दिल्ली, 20 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स और दूसरे सुरक्षा कर्मियों द्वारा जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यों वाली एक हाई-पावर्ड इंक्वायरी कमेटी बनाई है।

इस कमेटी के प्रमुख सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी हैं। कमेटी के अन्य सदस्यों में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाई कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शालिंदर कौर, उइकके पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस डॉ. एल.आर. बिश्नोई शामिल हैं।सुप्रीम कोर्ट की बनाई यह कमेटी कई आरोपों की जांच करेगी, जिनमें पैलेट गन, इलेक्ट्रिक बैटन, लाठीचार्ज और आंसू गैस का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित हिंसा, पुलिस की निगरानी, भीड़ को काबू करने के तरीकों की उचितता और पीड़ितों को मेडिकल मदद व मुआवजा देने जैसे मुद्दे शामिल हैं।

साथ ही, यह कमेटी पुलिस कर्मियों के साथ हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के बारे में अधिकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच करेगी।इससे पहले मंगलवार को, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे, उन्होंने कहा था कि प्रस्तावित कमेटी

में हाई कोर्ट के एक पूर्व जज और रिटायर्ड डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस भी शामिल होंगे।चीफ जस्टिस ने कहा था कि उइकके एक पूर्व डायरेक्टर और एक पूर्व DGP की सहमति ले ली गई है, और इनमें से कोई भी उस मामले से जुड़े राज्यों में से नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह कमेटी के गठन और कामकाज से जुड़े सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद औपचारिक आदेश जारी करेगा।यह कमेटी देश के अलग-अलग हिस्सों में परीक्षा के पेपर लीक होने के आरोपों को लेकर हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़े कई मुद्दों की जांच करेगी। इनमें पुलिस की ज्यादतियां, सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ हिंसा और महिला प्रदर्शनकारियों के यौन उत्पीड़न के आरोप शामिल हैं।बेंच ने कहा कि फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी (चेहरा पहचानने की तकनीक) के इस्तेमाल, निगरानी, निजता और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार से जुड़े मुद्दों पर आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को ही फैसला करना होगा।सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा के पेपर लीक होने को लेकर हुए प्रदर्शनों के सिलसिले में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज FIR को रद करने की संभावना पर विचार करने की इच्छा भी जताई।बेंच ने संकेत दिया कि वह ऐसे मामलों को रद करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करने पर विचार कर सकती है।

असम की बाढ़ बहाली और विकास एजेंडे पर चर्चा के लिए सीएम सरमा ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, 20 अगस्त। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दक्षिण ब्लॉक स्थित 'सेवा तीर्थ' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य में जारी बाढ़ बहाली के प्रयासों तथा विकास एजेंडे पर उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को असम में बाढ़ प्रतिक्रिया के अगले चरण के रोडमैप की जानकारी दी, जिसका मुख्य फोकस प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण, लोगों की आजीविका को बहाल करने और व्यापक स्तर पर राहत पहुंचाने पर केंद्रित है। मुलाकात के बाद एक्स पर पोस्ट में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि बाढ़ राहत अभियान के दौरान पीएम मोदी लगातार हमारे संपर्क में रहे, स्थिति की बारीकी से समीक्षा करते रहे और हर संभव सहायता प्रदान करते रहे। उन्होंने आगे बताया कि इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य विनाशकारी बाढ़ के बाद चल रहे पुनर्वास कार्यों को आगे बढ़ाना था,

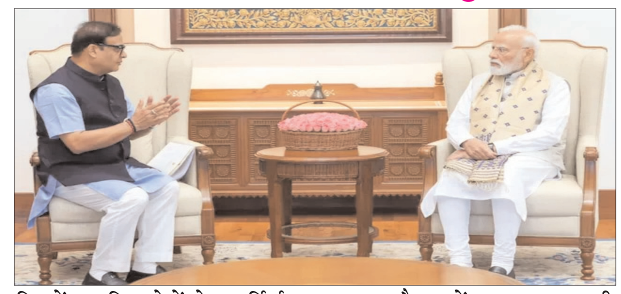

जिसमें प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और आपदा से प्रभावित लोगों की आजीविका को फिर से पटरी पर लाने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार इस मिशन को इसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने में अपना अटूट और निरंतर समर्थन जारी रखेगी। इसके साथ ही सीएम सरमा ने राज्य की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को पूरा करने के लिए अपनी सरकार के पहले 100 दिनों के कार्यकाल के दौरान शुरू की गई प्रमुख पहलों और विकास योजनाओं से भी प्रधानमंत्री को अवगत कराया। बैठक में राज्य सरकार की व्यापक विकास प्राथमिकताओं, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार लाने और राज्य के युवाओं के लिए बेहतर अवसर पैदा करने के प्रयासों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि असम के सर्वांगीण विकास के हमारे साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए पीएम मोदी के निरंतर मार्गदर्शन और दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग केंद्रित कौशल से जोड़ना समय की मांग: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 20 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग केंद्रित कौशल से जोड़ने को समय की मांग बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल तकनीकें रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर पैदा कर रही हैं। गुप्ता ने यह टिप्पणी मोती नगर विधानसभा क्षेत्र में जन कौशल केंद्र और स्वयं स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करने के बाद की। इन दोनों केंद्रों का निर्माण 'मदन लाल खुराना फाउंडेशन' के प्रयासों से किया गया है। गुप्ता ने एक बयान में कहा, जन कौशल केंद्र के माध्यम से हजारों युवाओं को एआई से जुड़ने और अपने करियर को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा। केवल युवा ही नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिक और

बुजुर्ग भी यहां आकर एआई और नई तकनीकों को सीखने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग-केंद्रित कौशल से जोड़ना समय की सबसे बड़ी मांग है। उन्होंने कहा, एआई और डिजिटल तकनीकें रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर पैदा कर रही हैं। ऐसे में युवाओं को आत्मनिर्भर और 'फ्यूचर रेडी' बनाने के लिए यह पहल एक प्रभावी सेतु का कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी सशक्त समाज के लिए शिक्षा और कौशल के साथ स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है तथा स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता से नागरिकों को अपने आसपास ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता दिवंगत मदनलाल खुराना के 'खुशहाल एवं सशक्त दिल्ली' के सपने को साकार करने की दिशा में सार्थक प्रयास हैं। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना में 'ट्रिनिटी फाउंडेशन' द्वारा जमीनी स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य शिविर और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में दिए जा रहे सहयोग की भी सराहना की।

श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं सारांश

कोलंबो, 20 अगस्त। मध्य प्रदेश के इंदौर के 33 साल के स्टार ऑलराउंडर सारांश जैन को भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में होने वाले टेस्ट में खेलने का मौका मिल सकता है। सारांश को पहले टेस्ट में खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन वह अब दूसरे टेस्ट से अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर सकते हैं। सारांश श्रीलंका दौरे के लिए टीम का नया चेहरा बने थे। वॉशिंगटन सुंदर के अनुपलब्ध रहने के कारण सारांश को मिला था। सारांश दाएं हाथ के स्पिनर हैं और वह लोअर मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज भी हैं। बल्लेबाजी वह बाएं हाथ से करते हैं। सारांश ने फर्स्ट क्लास डेब्यू 2014 में किया था और टीम इंडिया में चयन के लिए उन्हें 12 साल इंतजार करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारांश के दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में शामिल किए जाने की मजबूत संभावना है। रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि उन्हें कुलदीप यादव की जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। कुलदीप ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका की पहली पारी में मात्र 14 ओवर गेंदबाजी की और 65 रन देकर एक विकेट लिए। वहीं, दूसरी पारी में 11 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 38 रन दिए। वहीं बाएं हाथ के दो अन्य स्पिन गेंदबाजों युवा मानव सुथार ने दोनों पारियों को मिलाकर 45.2 ओवर गेंदबाजी की और 10 विकेट लिए।

रवींद्र जडेजा ने दोनों पारियों को मिलाकर 44 ओवर फेंके और चार विकेट लिए। कुलदीप लंबे समय से टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें नियमित रूप से कभी मौका नहीं मिला। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी उन्हें मौका नहीं मिला था। मानव सुथार के आने के बाद उनके लिए मुश्किल और बढ़ी है। 2017 में टेस्ट डेब्यू करने वाले कुलदीप यादव ने अब तक खेले

सिर्फ 19 टेस्ट मैचों में 80 विकेट लिए हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने अगले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में कुलदीप यादव के खेलने पर संशय जताया है। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे कुलदीप यादव की चिंता है। हो सकता है कि वह अगला मैच न खेले। ऐसा भी हो सकता है। जब भी उसे गेंदबाजी दी गई, तो लंबे की जगह छोटे स्पेल दिए गए। सारांश जैन एक ऑफ-स्पिनर है। पडिक्कल बॉलिंग करने क्यों आया? ऐसा इसलिए था क्योंकि बीच में ऑफ-स्पिनर की कमी दिख रही थी। ऐसे में मुझे लगता है कि कुलदीप अगले टेस्ट में अपनी जगह खो सकते हैं।'

सारांश का फर्स्ट क्लास करियर शानदार रहा है। उन्होंने 181 विकेट निकाले हैं और साथ ही 2223 रन भी बनाए हैं। सारांश के पिता सुबोध जैन भी दाएं हाथ के ऑफ-ब्रेक गेंदबाज थे। उन्होंने अपने खेल के दिनों में मध्य प्रदेश के लिए नौ रणजी ट्रॉफी मैच खेले थे, हालांकि उन्हें कभी अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मौका नहीं मिला। सारांश ने अनुभवी कोच चंद्रकांत पंडित के मार्गदर्शन में अपने खेल को निखारा है। उनकी देखरेख में सारांश एक कभी-कभार टीम में शामिल होने वाले खिलाड़ी से आगे बढ़कर एक प्रमुख और मैच जिताऊ ऑलराउंडर बन गए।

भारतीय स्क्वॉडः शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी और सरफराज खान।

भारत की नरमी को हल्के में ले रहा बांग्लादेश, पीएम रहमान की दिल्ली यात्रा पर फिर दिखाए तेवर

ढाका। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव के बीच प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अगले महीने प्रस्तावित भारत यात्रा को लेकर असमंजस बढ़ गया है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के प्रधानमंत्री सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा है कि जब तक दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास का माहौल नहीं बनता और भारत की ओर से सम्मानजनक निमंत्रण नहीं मिलता, तब तक रहमान के भारत आने की संभावना बहुत कम है। भारत की ओर से रिश्तों में जमी बर्फ पिघलाने की कोशिशों के बावजूद बांग्लादेश तेवर दिखाता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को यादगार बनाने का संदेश दिए जाने के बाद भी ढाका ने अब शर्तों की बात छेड़ दी है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के सलाहकार हुमायूं

कबीर ने साफ कहा है कि सम्मानजनक निमंत्रण और आपसी विश्वास का माहौल बने बिना रहमान की दिल्ली यात्रा की संभावना बहुत कम है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत की बातचीत और नरमी को ढाका हल्के में ले रहा है? भारत इस साल 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला है। इसी सम्मेलन में शामिल होने के लिए रहमान के भारत आने की संभावना जताई जा रही थी। प्रधानमंत्री के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि बांग्लादेश किसी भी उच्चस्तरीय यात्रा को लेकर जल्दबाजी नहीं करेगा।

हमें अपनी भाषा, जड़ और पृष्ठभूमि पर गर्व होना चाहिए: दुर्गेश सिंह

भोपाल, 20 अगस्त। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय-2026' में दूसरे दिन देशभर से आये पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों को संबोधित किया। सिनेमा के क्षेत्र में कार्यरत और वेबसीरीज 'गुल्लक' के लेखक दुर्गेश सिंह ने कहा कि हमें अपनी भाषा, अपनी जड़, अपनी जमीन और पृष्ठभूमि पर गर्व करना चाहिए। आज मुझे जो भी काम मिल रहा है, उसके पीछे मेरी भाषा, जमीन और पृष्ठभूमि है। उन्होंने कहा कि एआई आपको रिप्लेस करने नहीं आ रहा है। ये टूल्स हैं, इनका उपयोग करते आना चाहिए। दुनिया में इनका उपयोग किया जा रहा है। लेखन में भी एआई का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि

हमारी धार्मिक कहानियों पर खूब सिनेमा बन रहा है। हमारे दादी-नानी ने जो कहानियां सुनायीं हैं, वे हमारे लिए बहुत महत्व की हैं।

टीवी पत्रकारिता में सक्रिय एवं एंकर रवि मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता में संसाधनों का स्थान तो है लेकिन मूल्यों का महत्व अधिक है। जब हम यहां से पढ़कर निकलें तो कुछ मूल्य लेकर निकलें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान नौकरी की चिंता मत कीजिए। इस दौरान केवल पढ़िए, सीखिए, कैंपस लाइफ जिएं, गलतियां कीजिये और उनसे सीखिए। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि पत्रकारिता में आपका सबसे बड़ा साथी है, आपका स्वास्थ्य। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। तकनीक प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी अजीत कुमार ने कहा कि यहाँ से सीखकर आगे बढ़े. और सतत नया सीखते रहें। डिजिटल पत्रकारिता में सक्रिय प्रसून मिश्रा ने विद्यार्थियों से कहा कि आप पढ़ाई के दौरान तीन काम अवश्य कर लें- 1. फील्ड की जो जरूरत है, उसकी समझ विकसित करना। इसके साथ ही यह भी तय कर लें कि दो साल के बाद में करना क्या चाहते हैं।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस-21 अगस्त, 2026

बदलती सामाजिक संवेदनाओं में वृद्धों को चाहिए उजाले

-ललित गर्ग

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समाज के अंतर्मन को झकझोरने एवं वृद्धों की त्रासद स्थितियों पर सोचने को विवश करता है कि जिन हाथों ने परिवार की नींव रखी, जिन कंधों ने बच्चों के भविष्य का भार उठाया और जिन अनुभवों ने जीवन की अनेक कठिन राहों को पार करने में अगली पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया, उन्हीं वृद्ध माता-पिता को जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, उपेक्षा, असुरक्षा और अपमान क्यों झेलना पड़ रहा है? निश्चित ही कहीं-न-कहीं हमारी सामाजिक संवेदना कमजोर हुई है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान सहज संस्कार होना चाहिए था, वहां उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए अलग से दिवस मनाना हमारी सामूहिक आत्मचिंता का विषय है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत की आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो सकती है; यानी हर पांच भारतीयों में लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा। यह केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के सामने आने वाली एक बड़ी चुनौती है। अधिक उम्र तक जीना मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन यदि लंबी आयु के साथ अकेलापन, बीमारी, आर्थिक असुरक्षा और भावनात्मक उपेक्षा जुड़ जाए तो दीर्घ जीवन वरदान के बजाय बोझ जैसा अनुभव होने लगता है।

भारत की पारंपरिक संस्कृति में वृद्ध व्यक्ति परिवार के मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव के भंडार माने जाते थे। संयुक्त परिवार में उनकी भूमिका केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे परिवार की स्मृति, परंपरा और संस्कारों के जीवंत केंद्र होते थे। लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली, महानगरीय संस्कृति, रोजगार के लिए पलायन, छोटे परिवारों की प्रवृत्ति, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यक्तिवादी सोच ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। आज कई वृद्ध अपने ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेले हैं। उनके पास रहने को छत है, लेकिन संवाद के लिए कोई अपना नहीं; परिवार है, लेकिन समय नहीं; संतान है, लेकिन अपनापन कम होता जा रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस वृद्ध ने जीवनभर परिवार को अपने केंद्र में रखा, सेवानिवृत्ति के बाद वही परिवार उसे अपने केंद्र से बाहर करने लगता है। नौकरी में रहते हुए जिस व्यक्ति की सलाह महत्वपूर्ण थी, नौकरी से मुक्त होते ही उसकी उपयोगिता जैसे समाप्त मान ली जाती है।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इसी बदलती सामाजिक संरचना का संकेत है। हर वृद्धाश्रम दुख की कहानी नहीं है; कुछ स्थानों पर वे अकेले और असहाय वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षा और देखभाल का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। लेकिन जब वृद्धाश्रम उन माता-पिता का अंतिम ठिकाना बन जाए जिन्हें सक्षम संतान केवल इसलिए घर से दूर कर देती है कि वे आधुनिक जीवन की सुविधाओं के बीच असुविधा बन गए हैं, तब प्रश्न केवल परिवार का नहीं, पूरे समाज के संस्कारों का बन जाता है। संपत्ति अपने नाम कराने के बाद माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी बीमारी को बोझ समझना या उन्हें केवल घरेलू जिम्मेदारियों के लिए उपयोग करना ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिन पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। यह भी सच है कि वृद्धावस्था की समस्या केवल युवाओं की संवेदनहीनता से पैदा नहीं होती। वरिष्ठ नागरिकों को भी बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना होगा। नई पीढ़ी की स्वतंत्रता, निजी निर्णय और जीवनशैली को समझना होगा। अनावश्यक हस्तक्षेप से बचते हुए अपने अनुभव को आदेश नहीं, मार्गदर्शन के रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन मन का बूढ़ा हो जाना अनिवार्य नहीं। वरिष्ठ नागरिक यदि सामाजिक गतिविधियों, अध्ययन, सेवा, आध्यात्मिकता, सामुदायिक कार्यक्रमों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े रहें तो उनका जीवन अधिक सक्रिय, सार्थक और आनंदपूर्ण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का कल आया फैसला बुजुर्गों के लिए कानूनी संजीवनी की तरह है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि संतान माता-पिता की देखभाल और भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में विफल रहती है, तो वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति और सम्मान की रक्षा के लिए कानून के तहत बच्चों को उस संपत्ति से बेदखल करने का रास्ता खुला है।

सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आय की परवाह किए बिना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देना एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस विस्तार से लगभग छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है; जून 2026 तक योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कवरेज का दायरा इसी दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इसी प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य केवल वृद्धों को आश्रय देना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, आवास, सक्रिय एवं उत्पादक वृद्धावस्था, कौशल, परिवहन तथा पीढ़ियों के बीच संबंधों को मजबूत करना भी है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता, वृद्धाश्रम, सहायक उपकरण, सक्रिय वृद्धावस्था और अनुभव आधारित रोजगार जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं की सफलता अंततः उनके अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी पहुंचने पर निर्भर करती है। पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, डिजिटल सेवाओं और कानूनी संरक्षण को अधिक सरल, सुलभ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाना अभी भी आवश्यक है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सुरक्षा जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी भावनात्मक सुरक्षा है। पैसा दवा खरीद सकता है, लेकिन अकेलेपन का उपचार नहीं कर सकता। अस्पताल शरीर का इलाज कर सकता है, लेकिन उपेक्षा से घायल मन का उपचार परिवार का प्रेम ही कर सकता है। इसलिए, वृद्ध कल्याण को केवल सरकारी योजना या पेंशन के दायरे में नहीं देखा जा सकता। परिवार को यह समझना होगा कि वृद्ध माता-पिता को केवल भोजन और दवा नहीं चाहिए; उन्हें बातचीत चाहिए, सम्मान चाहिए, निर्णयों में सहभागिता चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बात विशेष रूप से समझनी होगी कि माता-पिता का वर्तमान हमारे भविष्य का संकेत है। जो व्यवहार हम आज अपने वृद्ध माता-पिता के साथ करेंगे, आने वाला समय उसी व्यवहार को हमारे सामने खड़ा करेगा। आज हम युवा हैं, कल हम वृद्ध होंगे। आज जिन आंखों को हम अनदेखा कर रहे हैं, कल उन्हीं जैसी आंखों में हमारी अपनी संतानों के व्यवहार का प्रतिबिंब दिखाई दे सकता है। इसलिए, वृद्धों की सेवा दया नहीं, कर्तव्य है; उपकार नहीं, संस्कार है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी जब यह एक दिन का आयोजन न रहकर जीवन की स्थायी दृष्टि बने। परिवार में सप्ताह में एक दिन नहीं, प्रतिदिन संवाद हो; समाज में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सक्रिय सामुदायिक मंच हों; स्थानीय संस्थाएं उन्हें ज्ञान, अनुभव और सेवा के अवसर दें; सरकार स्वास्थ्य, पेंशन और सुरक्षा की व्यवस्थाओं को मजबूत करे और युवा पीढ़ी अपनी सोच में परिवर्तन लाए। वृद्धावस्था जीवन की संध्या है, लेकिन संध्या का अर्थ अंधेरा नहीं होता। यह दिनभर की यात्रा के बाद सुनहरी रोशनी का समय भी हो सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि परिवार उस रोशनी को बुझने न दे। हमारे वृद्ध जीवन के बीते हुए पन्ने नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुभव की खुली किताब हैं। यदि हम उनके अंतिम वर्षों को भय, अकेलेपन और उपेक्षा से भर देंगे तो हम केवल उनके साथ अन्याय नहीं करेंगे, बल्कि अपनी सभ्यता और संस्कारों को भी कमजोर करेंगे। इसलिए आज संकल्प होना चाहिए-वृद्धों के जीवन में अंधेरा नहीं, सम्मान का उजाला हो; अकेलापन नहीं, अपनापन हो; उपेक्षा नहीं, सहभागिता हो और शेष जीवन बोझ नहीं, आनंद एवं गरिमा का उत्सव बने। यही विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश और हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है।

गठबंधन या मजबूरी का बंधन? सहारनपुर की रार से दिल्ली तक मची रस्साकशी

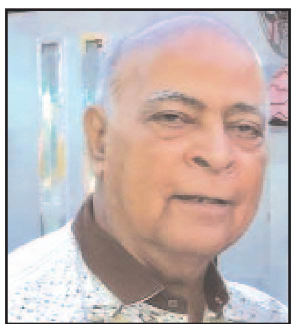

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक शाश्वत नियम रहा है—यहाँ दिल्ली का रास्ता तो तय होता है, लेकिन प्रांतीय स्वाभिमान और क्षेत्रीय क्षत्रपों की महत्वाकांक्षाओं के टकराव में बड़े-से-बड़े राष्ट्रीय एजेंडे भी ध्वस्त हो जाते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने देश के सबसे बड़े राज्य में राजनीतिक चमत्कार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के 'अजेय रथ' की रफ्तार पर ब्रेक लगाया, तो देश भर के विपक्षी रणनीतिकारों को लगा कि उन्होंने भाजपा की चुनावी मशीनरी की अचूक काट ढूंढ ली है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी, जिसे 'यूपी के दो लड़के' कहकर प्रचारित किया गया, ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के एक नए सामाजिक समीकरण को जन्म दिया। इस समीकरण को जनता का भारी समर्थन मिला और गठबंधन ने राज्य की 80 में से 43 सीटों पर ऐतिहासिक विजय पताका फहराई। परंतु, राजनीति में जीत जितनी सुखद होती है, उसकी विरासत को संभालना और आगामी संघर्षों के लिए उसे अक्षुण्ण रखना उतना ही दुरूह कार्य होता है। आज, 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही, इस सफल गठबंधन की नींव हिलती हुई साफ दिखाई दे रही है। लखनऊ से लेकर दिल्ली के गलियारों तक यह चर्चा आम है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच 'सब कुछ ठीक नहीं है'। यह दरार अब केवल बंद कमरों की बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सार्वजनिक मंचों से लेकर सोशल मीडिया के अखाड़े तक खुलकर सामने आ रही है।

इस गहरे अविश्वास, जमीनी अंतर्विरोध और दोनों दलों के बीच जारी वर्चस्व की जंग का सबसे ताजा, ज्वलंत और चिंताजनक उदाहरण हाल ही में सहारनपुर में आयोजित 'दिशा' (उ्र्र्लअ) की आधिकारिक बैठक के दौरान देखने को मिला। जिला स्तर पर विकास कार्यों, प्रशासनिक तालमेल और स्थानीय जनसमस्याओं (विशेषकर एक नाले के निर्माण और विकास कार्यों की अनदेखी) की समीक्षा के लिए बुलाई गई इस उच्च स्तरीय बैठक में जो कुछ हुआ, उसने उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर एक बहुत बड़ा यक्ष प्रश्न खड़ा कर दिया है। बैठक के दौरान कांग्रेस के कद्दावर सांसद इमरान मसूद और समाजवादी पार्टी के स्थानीय विधायक आशु मलिक के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस विकास कार्यों के दायरे को लांघकर व्यक्तिगत आक्षेपों, सांगठनिक श्रेष्ठता की जंग और "तू-तू मैं-मैं" के अमर्यादित स्तर पर पहुंच गई। दोनों नेताओं के बीच करीब सात से आठ मिनट तक चली इस तीखी जुबानी जंग का वीडियो कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह वायरल हो गया।

यद्यपि, राजनीति के तयशुदा व्याकरण के अनुसार, घटना के अगले ही दिन दोनों नेताओं और दोनों पार्टियों के प्रवक्ताओं ने भारी डैमेज कंट्रोल की कोशिशें शुरू कर दीं। यह बयान जारी किए गए कि "यह महज जनप्रतिनिधियों के बीच स्थानीय विकास कार्यों को लेकर हुई एक सामान्य प्रशासनिक बहस थी और इसे राजनीतिक गठबंधन के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।" लेकिन राजनीतिक विश्लेषक और जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता अच्छी तरह जानते हैं कि सियासत में इस तरह के सार्वजनिक और तीखे टकराव कभी भी महज प्रशासनिक मतभेद नहीं होते। यह वाकया उस ज्वालामुखी का एक छोटा सा विस्फोट है जो पिछले कई महीनों से दोनों पार्टियों के प्रांतीय नेताओं और

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

कार्यकर्ताओं के दिलों में सुलग रहा था। यह साफ तौर पर दशार्ता है कि लोकसभा चुनाव में शीर्ष स्तर पर जो सामंजस्य और आपसी समझ दिखाई दे रही थी, वह जमीन पर जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक कभी पहुंची ही नहीं। सहारनपुर की यह घटना इस बात का प्रामाणिक दस्तावेज है कि दोनों दलों के नेता एक-दूसरे को सहयोगी कम और अपनी राजनीतिक जमीन का अतिक्रमण करने वाला प्रतिद्वंद्वी ज्यादा मान रहे हैं।

इस रार और अविश्वास की जड़ें केवल स्थानीय मुद्दों या किसी नाले के निर्माण तक सीमित नहीं हैं। इसकी असली वजह 2027 की चुनावी बिसात पर अपनी-अपनी ताकत दिखाने और भविष्य की सरकार में अपनी हिस्सेदारी तय करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। 2024 की सफलता के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर एक नए आत्मविश्वास का संचार हुआ है। पार्टी के रणनीतिकार, नए सांगठनिक प्रभारी और प्रांतीय नेता अब राज्य में खुद को समाजवादी पार्टी के 'जूनियर पार्टनर' या 'पिछलग्गू' के रूप में देखने को कतई तैयार नहीं हैं। कांग्रेस के भीतर से लगातार यह मांग उठ रही है और सार्वजनिक मंचों से यह बयान दिए जा रहे हैं कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में सम्मानजनक और बराबरी की हिस्सेदारी से कम पर कोई समझौता नहीं करेगी। पार्टी के भीतर एक बड़ा धड़ा साफ तौर पर कम से कम 150 सीटों पर अपनी मजबूत दावेदारी ठोक रहा है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर हुई वापसी, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' और उनके द्वारा तैयार किए गए नैरेटिव के बिना उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को अकेले दम पर 37 सीटें मिलना किसी भी सूरत में संभव नहीं था। कांग्रेस का मानना है कि मुस्लिम और दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी के चेहरे और कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष साख को देखकर इस गठबंधन की ओर आकर्षित हुआ था। इसलिए, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उसका वाजिब हक मिलना ही चाहिए, क्योंकि उनके बिना राज्य में भाजपा-विरोधी कोई भी सरकार नहीं बन सकती।

इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी खुद को उत्तर प्रदेश में भाजपा-विरोधी और धर्मनिरपेक्ष राजनीति का 'बड़ा भाई' और एकमात्र वास्तविक विकल्प मानती है। अखिलेश यादव और उनके रणनीतिकारों का स्पष्ट मानना है कि उत्तर प्रदेश की जमीन पर वास्तविक संगठन, समर्पित कैडर, बूथ मैनेजमेंट और सांगठनिक मशीनरी केवल और केवल समाजवादी पार्टी के पास है। कांग्रेस का सांगठनिक ढांचा आज भी राज्य के अधिकांश जिलों में ब्लॉक और बूथ स्तर पर बेहद कमजोर, निष्क्रिय या लगभग गायब है। ऐसे में, सपा नेतृत्व कांग्रेस को 60 से 70 से अधिक सीटें देने के मूड में नहीं है। समाजवादी पार्टी के भीतर एक बहुत बड़ा और मुखर धड़ा यह मानता है कि कांग्रेस को उसकी सांगठनिक क्षमता से अधिक सीटें देने का सीधा मतलब भारतीय जनता पार्टी को 'वॉकओवर' देना होगा। सपा नेता पिछले विधानसभा चुनावों (विशेषकर 2017 के सपा-कांग्रेस गठबंधन) के कड़वे अनुभवों का हवाला देते हैं, जहां कांग्रेस को 100 से अधिक सीटें दी गई थीं, लेकिन उसका स्ट्राइक रेट बेहद निराशाजनक रहा था और गठबंधन औंधे मुंह गिर गया था। सपा के रणनीतिकार इस बात को लेकर भी अत्यधिक सतर्क हैं कि राष्ट्रीय राजनीति में मजबूती पाने की आड़ में कहीं कांग्रेस उनके पारंपरिक और कोर वोट बैंक (मुस्लिम और यादव) में एक स्थायी सेंधमारी न कर दे।

वोटो के इस आंतरिक ध्रुवीकरण और वर्चस्व की मूक जंग में सबसे बड़ा पेंच मुस्लिम और दलित मतदाताओं की भविष्य की प्राथमिकताओं को लेकर फंसा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस वर्ग ने बिना किसी दुविधा के, बेहद समझदारी से भाजपा को हराने के लिए एकमुश्त इस गठबंधन के पक्ष में मतदान किया था। परंतु अब, कांग्रेस को यह साफ दिखाई दे रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय और गैर-जाटव दलित मतदाता दोबारा अपने पुराने और पारंपरिक घर यानी कांग्रेस की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में इसी मुस्लिम-दलित-सवर्ण गठजोड़ के पुराने फॉर्मूले को पुनर्जीवित कर अपने खोए हुए राजनीतिक साम्राज्य को बहाल करना चाहती है। इसके उलट, समाजवादी पार्टी अपने इस मुख्य आधार—जिसके दम पर वह राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बनी हुई है—को किसी भी कीमत पर अपने हाथ से खिसकने नहीं देना चाहती। सपा को डर है कि यदि मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस की तरफ शिफ्ट हो गया, तो उसका क्षेत्रीय क्षत्रप और राज्य की राजनीति का मुख्य ध्रुव होने का दर्जा हमेशा के लिए खतरे में पड़ जाएगा। सहारनपुर की घटना और उसके बाद इमरान मसूद जैसे नेताओं के तीखे बयान इसी वोट बैंक पर अपने-अपने प्रभाव को साबित करने की एक अघोषित और आक्रामक जंग का हिस्सा हैं।

यह बात को प्रमुखता से रेखांकित होती है कि शीर्ष स्तर पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव की आपसी केमिस्ट्री चाहे जितनी भी मजबूत, सौहार्दपूर्ण और परिपक्व दिखाई दे, जमीन पर व्यावहारिक राजनीति केवल व्यक्तिगत दोस्ती या मुस्कुराती हुई तस्वीरों से संचालित नहीं होती। व्यावहारिक राजनीति हमेशा कार्यकताओं की महत्वाकांक्षाओं, स्थानीय नेताओं के अस्तित्व के संकट और क्षेत्रीय सामाजिक समीकरणों से संचालित होती है। शीर्ष स्तर के नेता भले ही दिल्ली या लखनऊ में बैठकर बंद कमरों में कोई समझौता कर लें, लेकिन जब तक बूथ स्तर पर दोनों पार्टियों के कार्यकताओं का दिल नहीं मिलेगा और वोटों का ट्रांसफर पूरी ईमानदारी के साथ एक-दूसरे के पक्ष में नहीं होगा, तब तक किसी भी गठबंधन की सफलता केवल एक किताबी कल्पना ही रहेगी।

"वन्दे मातरम्" से कांग्रेस को परहेज क्यों? सवाल सिर्फ छह पदों का नहीं, राष्ट्रीय चेतना का है

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कुछ शब्द नारे नहीं रहे, वे इतिहास की धड़कन बन गए। ''वन्दे मातरम'' ऐसा ही महामंत्र है। यह वह उद्घोष था जिसे स्वतंत्रता सेनानियों ने विदेशी शासन के सामने निर्भीक होकर बोला। 1896 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इसे गाया और आगे चलकर यह स्वाधीनता आंदोलन का व्यापक उद्घोष बना। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय भी इसे स्वतंत्रता सेनानियों का "rallying cry" अर्थात संघर्ष का सामूहिक उद्घोष बताता है।

आज इस पर विवाद करने से पहले आवश्यक है कि देश पूरा वन्दे मातरम् पढ़े और उसका अर्थ समझे।

प्रथम पद

वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम्
मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

हे मातृभूमि! मैं तुम्हें नमन करता हूँ। तुम निर्मल और प्रचुर जल से सम्पन्न हो, फल फूल से परिपूर्ण हो, मलय पर्वत की सुगंधित शीतल वायु तुम्हें स्पर्श करती है और तुम्हारे खेत हरी भरी फसलों से लहलहाते हैं। हे जीवनदायिनी माँ! तुम्हें प्रणाम।

द्वितीय पद

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम वरदाम मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

हे माँ! तुम्हारी रातें निर्मल चाँदनी से आलोकित हैं। फूलों से लदे वृक्ष तुम्हारे सौंदर्य को बढ़ाते हैं। तुम मधुर मुस्कान और मधुर वाणी वाली हो। तुम अपनी संतानों को सुख देने वाली और कल्याण का वरदान प्रदान करने वाली माता हो।

तृतीय पद

कोटि कोटि कण्ठ कल कल निनाद कराले,
कोटि कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बोले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम,
रिपुदलवारिणीं मातरम।
वन्दे मातरम॥

करोड़ों कंठों की सामूहिक पुकार से जिसकी शक्ति गूँज रही हो और करोड़ों भुजाएँ जिसकी रक्षा के लिए तत्पर हों, ऐसी माता को निर्बल कौन कह सकता है? हे माँ! तुम महान शक्ति धारण करने वाली, संकट से तारने वाली और शत्रुओं से रक्षा करने वाली हो। तुम्हें नमन।

चतुर्थ पद

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि हृदि तुमि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे, बाहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति,
तोमारई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥

हे मातृभूमि! तुम ही हमारी विद्या हो, तुम ही हमारा कर्तव्य और जीवन मूल्य हो। हमारे हृदय का मर्म तुम हो, शरीर की प्राणशक्ति तुम हो। हमारी भुजाओं का सामर्थ्य और हृदय की भक्ति भी तुमसे ही जन्म लेती है। हम अपने जीवन और आराधना में तुम्हारे गौरव को प्रतिष्ठित करते हैं।

पंचम पद

त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी,
मुंबई, महाराष्ट्र

हे माँ! शक्ति के प्रतीक रूप में तुम दुर्गा हो, समृद्धि के रूप में कमला और ज्ञान के रूप में वाणी हो। तुम निर्मल हो, अनुपम हो, जल और फल से सम्पन्न हो। कवि यहाँ मातृभूमि की शक्ति, समृद्धि और ज्ञान को भारतीय सांस्कृतिक प्रतीकों के माध्यम से अभिव्यक्त करता है।

षष्ठ पद

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

हे मातृभूमि! तुम हरितिमा से सम्पन्न, सरल, सौम्य और मुस्कुराती हुई हो। तुम वह धरती हो जो अपनी संतानों को धारण भी करती है और उनका भरण पोषण भी करती है। हे माँ! तुम्हें नमन।

भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आधिकारिक छह पदीय पाठ में भी यही स्वरूप प्रकाशित है और 2026 के नए सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार पूर्ण संस्करण की अवधि 3 मिनट 10 सेकंड निर्धारित की गई है। आकाशवाणी ने 26 मार्च 2026 से पूर्ण छह पदों का प्रसारण शुरू किया।

आखिर समग्र भाव क्या है?

इन छह पदों को एक साथ पढ़ने पर इसका सार अत्यंत सरल है।

''हे मेरी मातृभूमि! तुम जीवन, ज्ञान, शक्ति, समृद्धि और सुख प्रदान करने वाली माँ हो। मैं तुम्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ।''

कहीं किसी नागरिक के प्रति घृणा नहीं। कहीं किसी समुदाय का अपमान नहीं। कहीं किसी भारतीय को देश से अलग करने का आह्वान नहीं। इसमें जल है, अन्न है, हरियाली है, चाँदनी है, भाषा है, ज्ञान है, साहस है और अपनी जन्मभूमि के प्रति कृतज्ञता है।

तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है, इसमें ऐसा क्या है जिससे किसी भारतीय राजनीतिक दल को संकोच होना चाहिए?

कांग्रेस से प्रश्न विरोध का नहीं, तर्क का है

19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति ने पुनः अपनी पुरानी नीति पर कायम रहते हुए पार्टी कार्यक्रमों में पहले दो पद ही गाने का निर्णय दोहराया। यह रुख 1937 में कांग्रेस द्वारा अपनाई गई नीति से जुड़ा है।

निष्पक्षता से कांग्रेस का पक्ष भी समझना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि उसकी यह परंपरा वन्दे मातरम् के विरोध से नहीं, बल्कि 1937 में राष्ट्रीय सहमति और साम्प्रदायिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखकर लिए गए निर्णय से उत्पन्न हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं ''वन्दे मातरम्'' को स्वतंत्रता का उद्घोष और भारत की एकता का स्वर बताते रहे हैं।

लेकिन यहीं से आज का वास्तविक प्रश्न प्रारंभ होता है।

यदि कांग्रेस वन्दे मातरम् को पवित्र मानती है, तो उसके शेष चार पदों को लेकर 2026 में भी संकोच क्यों?

1937 का भारत पराधीन था। परिस्थितियाँ अलग थीं, साम्प्रदायिक तनाव अलग था और विभाजन की आशंकाएँ सामने थीं। क्या उस दौर का अस्थायी राजनीतिक समाधान स्वतंत्र भारत की स्थायी सांस्कृतिक सीमा बन जाना चाहिए?

दुर्गा को शक्ति, कमला को समृद्धि और वाणी को ज्ञान का प्रतीक मानने में आपत्ति किस बात की है? क्या भारतीय काव्य परंपरा के प्रतीक मात्र इसलिए अस्वीकार्य हो जाएँ कि उनकी जड़ें भारतीय सभ्यता में हैं?

आजादी का उद्घोष अधूरा क्यों?

वह ''वन्दे मातरम्'', जिसे विदेशी शासन ने कई स्थानों पर दबाने का प्रयास किया, जिसे गाते हुए विद्यार्थियों ने दमन सहा, जो बंग भंग विरोधी आंदोलन में हजारों लोगों की सामूहिक आवाज बना, आज स्वतंत्र भारत में उसके पूरे पाठ पर राजनीतिक विवाद अपने आप में विडंबना है। संस्कृति मंत्रालय के ऐतिहासिक विवरण में ब्रिटिश शासन द्वारा इसके सार्वजनिक गायन पर लगाए गए प्रतिबंधों और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा इसे प्रतिरोध के उद्घोष के रूप में अपनाने का उल्लेख मिलता है।

इसलिए प्रश्न किसी की नागरिकता पर नहीं, राजनीतिक दृष्टि पर होना चाहिए।

क्या भारत माता की हरियाली स्वीकार है, लेकिन उसकी शक्ति नहीं?

क्या ''सुजलाम् सुफलाम्'' स्वीकार है, किंतु ''विद्यादायिनी'' से संकोच है?

क्या मातृभूमि को सुखदायिनी कहना स्वीकार है, किंतु उसे ज्ञान और सामर्थ्य का प्रतीक कहना कठिन है?

भारतीयता का निर्णय कोई राजनीतिक दल अकेले नहीं कर सकता। कांग्रेस सहित हर दल को अपनी व्याख्या रखने का अधिकार है। पर देश को भी यह पूछने का अधिकार है कि राष्ट्रीय विरासत के किसी हिस्से को आज भी 1937 की आशंकाओं में क्यों बाँधा जाए?

जिस स्वर ने बेड़ियाँ तोड़ी थीं,
उस स्वर को मत बाँटो,
माँ की वंदना पूरी हो, उसे राजनीति में मत छाँटो।
मिट्टी, विद्या, शक्ति, समृद्धि, सब भारत की पहचान,
वन्दे मातरम् केवल गीत नहीं, मातृभूमि का सम्मान।

वन्दे मातरम् किसी एक पार्टी का नहीं है। यह भारत का है। इसीलिए इसकी चर्चा भी आरोप, अपमान या किसी की भारतीयता पर संदेह से नहीं, बल्कि इतिहास और अर्थ के आधार पर होनी चाहिए।

और छहों पद पढ़ लेने के बाद सबसे सहज प्रश्न यही बचता है।

जब पूरी कविता का भाव मातृभूमि को जीवन, ज्ञान, शक्ति और समृद्धि प्रदान करने वाली माँ मानकर प्रणाम करना है, तब उसकी वंदना को दो पदों तक सीमित रखने की आवश्यकता आखिर क्यों? माँ को सुविधानुसार हिस्सों में नहीं देखा जाता। मातृभूमि की स्मृति भी आधी नहीं होती।

वन्दे मातरम्।

देश की सियासत में वंदेमातरम पूरा या अधूरा की बहस

संसद से वंदेमातरम गीत को पूरा गाना अनिवार्य करने का कानून बनने के बाद राजनीतिक स्वार्थ के चलते कांग्रेस के कार्यक्रमों और कुछ अन्य सार्वजनिक मंचों तक से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के पूर्ण गायन नहीं किए जाने को लेकर छिड़ा सियासी घमासान देश की राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। इस विवाद के मूल में केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि वैचारिक भिन्नता और चुनावी समीकरणों की गहरी परतें छिपी हैं। वंदे मातरम् पर कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी ने एक प्रस्ताव पास किया है, जिसके तहत कहा गया है कि वह राष्ट्रगीत के सिर्फ दो पद ही गाएगी। मामले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने देश विरोधी फैसला लिया है। उन्होंने कहा, '1937 के अपने प्रस्ताव को मानते हुए कांग्रेस ने वंदे मातरम् के सिर्फ दो पद गाने का फैसला किया। मैं देश को याद दिलाना चाहता हूं कि 1937 में मुसलमानों को खुश करने के लिए वंदे मातरम् को बांटकर कांग्रेस ने देश के बंटवारे की नींव रखी थी।' कांग्रेस द्वारा केवल शुरूआती दो छंद ही गाने की परंपरा का हवाला देना और बीजेपी द्वारा इसे राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़कर आक्रामक रुख अपनाना इस बहस को और तेज कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सत्ता पक्ष के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इस पर तीखी आपत्ति जताई है, जिससे यह मुद्दा और अधिक संवेदनशील हो गया है। उधर, कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व का यह तर्क है कि वे ऐतिहासिक परंपराओं का निर्वहन कर रहे हैं, जो स्वतंत्रता संग्राम के दौर से चली आ रही हैं। पार्टी का पक्ष है कि महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे राष्ट्रनायकों के समय से ही वंदे मातरम् के शुरूआती अंशों को गाने की परिपाटी रही है। इसके अलावा, इस विवाद के पीछे ऐतिहासिक और वैचारिक कारण भी हैं। आलोचकों और जानकारों का मानना है कि गीत के बाद के छंदों में कुछ ऐसी पौराणिक और सांस्कृतिक छवियां हैं, जिन्हें लेकर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी अलग-अलग विचार रहे थे।

-संजय सक्सेना

कांग्रेस यह मानती है कि विविधता से भरे इस देश में सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है, ताकि किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। हालांकि, आलोचकों का यह भी मानना है कि इस नीति के पीछे एक बड़ा कारण अल्पसंख्यक मतदाताओं, विशेषकर मुस्लिम समुदाय का राजनीतिक समर्थन अपने पाले में सुरक्षित रखना भी है, जो गीत के पूर्ण रूप को लेकर असहज महसूस करता है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे पर पूरी तरह हमलावर मुद्रा में है। ऐसा लगता है उसे एक मौका मिल गया है। बीजेपी का यह स्पष्ट आरोप है कि कांग्रेस अपनी पुरानी तुष्टीकरण की राजनीति के तहत राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय गीत का अपमान कर रही है। हाल ही में संसद द्वारा राष्ट्रीय गीत के अपमान से जुड़े कानूनों और प्रावधानों को कड़ा किए जाने के बाद यह विवाद और बढ़ गया है। सत्ता पक्ष का यह भी तर्क है कि देश की आजादी के इतने दशकों बाद भी राष्ट्रीय गीतों को लेकर इस तरह की संकीर्ण राजनीतिक सोच रखना राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता पर सवालिया निशान लगाता है। बीजेपी इस मुद्दे के जरिए राष्ट्रवादी नैरेटिव को और अधिक मजबूत करने का प्रयास कर रही है, ताकि बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को एकजुट किया जा सके। कुल मिलाकर इस पूरे घटनाक्रम का भारतीय राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ना तय माना जा रहा है। देश का राजनीतिक ध्रुवीकरण और अधिक तीव्र हो सकता है। एक तरफ जहां बीजेपी राष्ट्रवादी और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के एजेंडे को धार देते हुए हिंदू मतदाताओं को और अधिक गहराई से अपने पक्ष में लामबंद करने की कोशिश करेगी, वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सामने अपने पारंपरिक वैचारिक आधार को बचाने की चुनौती होगी। इस प्रकार के वैचारिक टकराव अक्सर जमीन पर वैचारिक स्पष्टता पैदा करने के साथ-साथ वोटों के ध्रुवीकरण को भी जन्म देते हैं।विपक्षी दलों के गठबंधन और क्षेत्रीय क्षत्रपों की बात करें तो समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसे दलों का मुस्लिम मतदाता आधार इस पूरी बहस के बाद कांग्रेस या गठबंधन के पक्ष में और अधिक मजबूती से खड़ा दिखाई दे सकता है। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में जहां मुस्लिम मतदाता चुनावी नतीजों को बड़े पैमाने पर प्रभावित करते हैं, वहां इस तरह के मुद्दे ध्रुवीकरण को तेज करते हैं। जब राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार के सांस्कृतिक और वैचारिक विषय उठते हैं, तो क्षेत्रीय दल भी अपनी रणनीतियों को उसी के अनुसार ढालते हैं ताकि उनका अल्पसंख्यक वोट बैंक सुरक्षित रहे। यदि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों, विशेषकर उत्तर प्रदेश के संदर्भ में बात करें, तो इस तरह के भावनात्मक और सांस्कृतिक मुद्दे चुनाव के एजेंडे को पूरी तरह बदल सकते हैं। इस प्रकार के ज्वलंत मुद्दे जमीन पर जमीनी कार्यकताओं को सक्रिय करने का काम करते हैं, जहां एक तरफ बहुसंख्यक वोटर अपनी अस्मिता के प्रश्न पर लामबंद हो सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ अल्पसंख्यक वर्ग भी अपनी सुरक्षा और राजनीतिक हितों को देखते हुए विपक्षी दलों की ओर गोलबंद हो सकता है। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि कैसे यह सांस्कृतिक बहस आगामी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। उत्तर प्रदेश में जहाँ जातिगत समीकरण और सामाजिक लामबंदी हमेशा से चुनावों की धुरी रहे हैं, वहीं ऐसे भावनात्मक और वैचारिक मुद्दे ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को और तीव्र कर देते हैं।

भिवंडी की भूलभूत सुविधाओं को लेकर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से मिले प्रवीण पाटिल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में बदहाल सड़कें, कचरा प्रबंधन, दूषित पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भिवंडी शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने मुंबई में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि बारिश से पहले मई माह में करीब ढाई करोड़ रुपये खर्च कर सड़कों की मरम्मत कराई गई थी, लेकिन पहली ही बारिश में सड़कें उखड़ गईं, जिससे सरकारी धन की बर्बादी हुई। वहीं शहर में कचरा उठाने पर हर महीने करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ रहा है। प्रवीण पाटिल ने दूषित पेयजल आपूर्ति, जल संकट और स्वास्थ्य सेवाओं की अव्यवस्था का मुद्दा भी उपमुख्यमंत्री के सामने उठाया। उन्होंने बताया कि सुनेत्रा पवार ने नगर आयुक्त से चर्चा कर भिवंडी के नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर पाटिल के साथ रणजीत सिंह बालिया, शमीम अंसारी, अरुणा अंकम, व्यंकटेश गड्डम आदि लोग उपस्थित थे।

आवास प्लस सर्वेक्षण में गड़बड़ी करने पर ग्राम पंचायत अधिकारी निलंबित

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास प्लस 2024 सर्वेक्षण में नियमों का उल्लंघन कर अपात्र व्यक्तियों के नाम शामिल करने के मामले में पालघर जिला परिषद प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। वाडा तहसील की ओगदा ग्राम पंचायत के तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी रमेश दत्त गांगुर्डे को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के निर्देश पर की गई।

ओगदा ग्राम पंचायत के अंतर्गत ओगदा, खोडदे, पाचघर, फणसगांव और तिलमाल राजस्व गांव आते हैं। इन गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास प्लस 2024 के तहत लाभार्थियों का सर्वेक्षण किया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी ने अपने आधिकारिक आवास प्लस 2024 लॉगिन का इस्तेमाल करते हुए अपनी पत्नी सहित छह अन्य व्यक्तियों का सर्वेक्षण किया और उनके नाम सूची में शामिल किये। आदेश के अनुसार संबंधित व्यक्तियों में से कोई भी ओगदा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले राजस्व गांवों का निवासी नहीं था और वे वहां निवास भी नहीं करते थे। प्रशासन ने माना कि यह कार्रवाई प्रधानमंत्री आवास योजना के नियमों और निर्धारित मार्गदर्शक सूचनाओं का गंभीर उल्लंघन है। सरकारी योजना का लाभ पात्र और जरूरतमंद लाभार्थियों तक ही पहुंचे, इसके लिए सर्वेक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियमों का पालन अनिवार्य है। इस मामले में जिला परिषद प्रशासन ने संबंधित अधिकारी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पात्र लाभार्थियों के अधिकारों से खिलवाड़ करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी। यह संकेत जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे द्वारा दिया गया है।

केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव को लेकर जारी की हेल्थ एडवाइजरी

मुंबई/पटना। मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छरों से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ने के बीच केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने लोगों को सतर्क रहने, बचाव के जरूरी उपाय अपनाने और लक्षण दिखने पर समय पर डॉक्टर से सलाह लेने की अपील की है। ये बीमारियां काफी हद तक रोकी जा सकती हैं, लेकिन मानसून के दौरान इनके मामले बढ़ने से गंभीर बीमारी के साथ परिवारों पर अचानक इलाज का खर्च भी बढ़ सकता है। देश में मानसून के पीक सीजन को देखते हुए स्वास्थ्य विभागों ने मौसमी बीमारियों के संभावित प्रकोप से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बीमारी की निगरानी मजबूत करने, मच्छरों की रोकथाम, लोगों में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को तैयार रखने की सलाह दी है। इसके साथ ही अस्पताल भी मरीजों की संख्या बढ़ने की स्थिति में पर्याप्त बेड, दवाइयों, जांच सुविधाओं, ब्लड और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी कर रहे हैं।

दानापुर में ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी का शुभारंभ, स्थानीय लोगों को मिलेगी सुलभ दवा सेवा

मुंबई/पटना। पटना के दानापुर स्थित उसरी बाजार में ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी की नई शाखा का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री मनीष कुमार वर्मा (राष्ट्रीय महासचिव, जदयू) ने फीता काटकर स्टोर का उद्घाटन किया। उन्होंने ई-मेडिक्स की इस पहल को क्षेत्र में बेहतर एवं व्यवस्थित दवा सेवाओं की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया। इस अवसर पर फ्रेंचाइजी ओनर श्रीमती प्रियंका राज ने कहा कि उसरी बाजार में ई-मेडिक्स की शुरुआत का उद्देश्य स्थानीय लोगों को उनके नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित दवाइयाँ उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को भरोसेमंद सेवा और सुविधाजनक दवा खरीदारी का अनुभव देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में कैप्टन रोहित राज, उपेंद्र कुमार, डॉ. राकेश, राहुल कुमार, अरुण कुमार एवं मोनिका उपस्थित रहे। अतिथियों ने ई-मेडिक्स के आधुनिक फार्मेसी मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की संगठित दवा सेवा से स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी।

15वां क्वालिटी मार्क अवॉर्ड्स 2026 : गुणवत्ता और उत्कृष्टता के क्षेत्र में श्रेष्ठ उद्योगों एवं संस्थाओं को मिलेगा क्वालिटी मार्क का भव्य सम्मान

मुंबई/पटना। गुणवत्ता, उत्कृष्टता, नवाचार और श्रेष्ठ व्यावसायिक संस्थाओं को प्रोत्साहित करने वाले प्रतिष्ठित क्वालिटी मार्क ट्रस्ट द्वारा आयोजित 15वें क्वालिटी मार्क अवॉर्ड्स 2026 का भव्य ब्लैक टाई गाला समारोह आगामी 24 अगस्त 2026 को नारायणी हाइट्स होटल, गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा।

क्वालिटी मार्क अवॉर्ड्स पिछले 15 वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता, नवाचार और जिम्मेदार व्यावसायिक दृष्टिकोण रखने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों को सम्मानित करने वाला एक प्रतिष्ठित मंच बन चुका है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मराठी सीखने के लिए तीन महीने की मोहलत क्यों? अमित ठाकरे ने सरकार से पूछा – लाइसेंस और परमिट पर हो सख्त फैसला

कल्याण (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के युवा अध्यक्ष और राज ठाकरे के पुत्र अमित ठाकरे ने कल्याण-डोंबिवली दौरे के दौरान मराठी भाषा के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरा। कल्याण के साकेत कॉलेज में छात्रों से संवाद करते हुए उन्होंने ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य किए जाने के फैसले पर सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए। अमित ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में 25 से 30 वर्षों से रहने वाले लोगों को अब भी अगर मराठी नहीं आती है, तो यह गंभीर विषय है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऑटो-टैक्सी चालकों को बुनियादी मराठी सीखने के लिए तीन महीने की मोहलत क्यों दी जा रही है?

उन्होंने कहा कि ऑटो-टैक्सी चालक और यात्री के बीच होने वाला संवाद बेहद सामान्य होता है। यात्री को कहां जाना है, बाएं या दाएं मुड़ना है और कितना किराया देना है जैसी बुनियादी बातें समझने के लिए दो-तीन दिन भी पर्याप्त हैं। इसके बावजूद सरकार बार-बार समय सीमा बढ़ा रही है, यह समझ से परे है।

अमित ठाकरे ने आरोप लगाया कि कुछ चालक मराठी भाषी यात्रियों से मराठी में बात करने से इनकार करते हुए अंग्रेजी में बातचीत करने की जिद करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य किया है, तो सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि मराठी नहीं सीखने वालों के खिलाफ आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने सरकार से मांग की कि जो लोग महाराष्ट्र में रहकर खुले तौर पर कहते हैं कि वे मराठी नहीं सीखेंगे, उनके लाइसेंस और परमिट को लेकर सख्त फैसला लिया जाए। अमित ठाकरे ने कहा कि केवल बार-बार समय सीमा बढ़ाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। सरकार को कार्रवाई की स्पष्ट नीति घोषित करनी चाहिए। अमित ठाकरे ने यह भी सवाल उठाया कि मराठी भाषा के मुद्दे पर कार्रवाई के लिए तीन महीने की मोहलत क्यों दी गई और सरकार को इसकी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाषा के मुद्दे को आगे लाया जा रहा है।

रांजनोली फ्लाईओवर के नीचे गंदगी का साम्राज्य, जिम्मेदारों की अनदेखी से राहगीर परेशान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई-नासिक हाईवे पर भिवंडी शहर के प्रवेशद्वार रांजनोली नाका स्थित फ्लाईओवर के नीचे कचरे का अंबार लगा हुआ है। यहां फैली गंदगी और दुर्गंध से मुंबई-नासिक महामार्ग तथा भिवंडी-कल्याण मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों, यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

फ्लाईओवर के नीचे होटल और टपरी संचालकों द्वारा बचा हुआ भोजन तथा कचरा फेंके जाने से प्लास्टिक, घरेलू कचरा और अन्य अनुपयोगी वस्तुओं का ढेर जमा हो गया है। इससे पूरे परिसर में दुर्गंध फैल रही है और यहां डंपिंग ग्राउंड जैसा नजारा दिखाई दे रहा है। राहगीरों को नाक पर हाथ रखकर

गुजरना पड़ रहा है।घनकचरा प्रबंधन को लेकर शासन की ओर से लगातार जोर दिए जाने के बावजूद रांजनोली ग्राम पंचायत प्रशासन तथा सड़क की जिम्मेदारी संभालने वाले महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल की ओर से सफाई और कचरा निस्तारण को लेकर प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से नागरिकों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों ने तत्काल कचरा हटाकर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और कचरा फेंकने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

गणपति उत्सव से पहले प्रभाग 14 की सड़कों की मरम्मत का अभियान

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा में गणपति उत्सव को देखते हुए प्रभाग क्रमांक 14 की सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत का कार्य तेज कर दिया गया है। काशीमीरा में भाजपा नगरसेविका श्रीमती यशोदा अनिल ताटे एवं मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे की पहल पर सड़कों के गड्ढों को डामरीकरण के माध्यम से भरने का कार्य किया जा रहा है।वर्तमान में बारिश का मौसम जारी रहने के कारण सड़क मरम्मत के कार्य में कुछ विलंब हो रहा है। इसके बावजूद प्रभाग क्रमांक 14 के सभी प्रमुख मार्गों एवं सड़कों की मरम्मत चरणबद्ध तरीके से पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है। गणपति उत्सव के दौरान नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए सड़क मरम्मत के कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। नगरसेविका श्रीमती यशोदा अनिल ताटे एवं मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे ने नागरिकों से सहयोग करने तथा कार्य की प्रगति को ध्यान में रखने की अपील की है।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर की अनूठी पहल, रक्षासूत्र द्वारा वीर जवानों को विद्यार्थियों का नमन

पालघर (उत्तरशक्ति)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर ने इंटरैक्ट क्लबों के सहयोग से अनूठी रक्षासूत्र पहल शुरू की है। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश की सीमाओं पर कठिन परिस्थितियों में तैनात वीर जवानों के प्रति प्रेम, सम्मान, कृतज्ञता और राष्ट्रभक्ति की भावना व्यक्त की।

रक्षासूत्र परियोजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना तथा उन्हें भारतीय सैनिकों के त्याग, साहस और बलिदान से परिचित कराना है। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से जवानों के लिए रक्षासूत्र तैयार किये। इन रक्षासूत्रों के माध्यम से उन्होंने देश की रक्षा में समर्पित वीर सैनिकों को

यह भावपूर्ण संदेश दिया कि पूरा देश उनके त्याग और समर्पण के लिए सदैव कृतज्ञ है। इस अभिनव पहल में विराज इंटरनेशनल स्कूल, सेंट फ्रांसिस स्कूल, सेंट विलिब्रॉड लीडरशिप लीग स्कूल, दीप ग्लोबल स्कूल, यू.एस. ओसवाल इनोवेटिव स्कूल, यू.एस. ओसवाल इंटरनेशनल स्कूल, चिन्मया विद्यालय तथा राहुल इंटरनेशनल स्कूल के इंटरैक्ट क्लब सहभागी हैं। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रविणचंद्र वैश्य ने कहा कि देश की सीमाओं पर जवान विषम परिस्थितियों में भी राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा से निभाते हैं। रक्षासूत्र केवल राखी भेजने या बांधने की पहल नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों और वीर जवानों के बीच सम्मान, स्नेह और राष्ट्रप्रेम का भावनात्मक रिश्ता मजबूत करने का प्रयास है। इस परियोजना को क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रविणचंद्र वैश्य, सचिव रेखेश जैन, परियोजना निदेशक रोटेरियन स्मिता जाधव एवं रोटेरियन आरती शिंदे, इंटरैक्ट क्लब समन्वयक रोटेरियन रत्ना सिंह, रोटेरियन अलका जैन, पास्ट प्रेसिडेंट जगदीश भूते, रोटेरियन प्रशांत कदम, रोटेरियन अधिवक्ता शानू ठाकुर तथा पास्ट प्रेसिडेंट एवं यूथ डायरेक्टर डॉ. पराग कुलकर्णी के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। रक्षासूत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने रक्षा के बंधन को राष्ट्रभक्ति के बंधन से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है।

पेंकर पाड़ा में अवैध पार्किंग से बढ़ी परेशानी, भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने कार्रवाई की मांग की

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के पेंकर पाड़ा क्षेत्र में सड़कों पर हो रही अवैध पार्किंग के कारण लगातार यातायात जाम की समस्या उत्पन्न होने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय नागरिकों को आवागमन में हो रही परेशानी को देखते हुए मीरा रोड वार्ड क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। नगरसेवक नवीन सिंह ने इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र सौंपकर पेंकर पाड़ा की सड़कों पर अनधिकृत रूप से खड़े किए जा रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सड़क

किनारे बेतरतीब एवं अवैध पार्किंग के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है और आए दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने संबंधित विभाग से अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। नगरसेवक नवीन सिंह ने कहा कि नागरिकों को जाम से राहत दिलाना और क्षेत्र में सुरक्षित एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा जल्द से जल्द प्रभावी कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। स्थानीय नागरिकों ने भी अवैध पार्किंग पर नियंत्रण लगाने और पेंकर पाड़ा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की मांग की है।

महापौर डिंपल मेहता ने शहर की विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं का किया निरीक्षण

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका की महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता ने गुरुवार, 20 अगस्त 2026 को शहर की विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं एवं नागरिक सुविधाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न कार्यों की वर्तमान स्थिति, प्रगति तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण दौरे के दौरान हिंदूहृदयसम्राट श्री बालासाहेब ठाकरे कलादालन, आरक्षण क्रमांक 22 स्थित जिम्नॉशियम, स्व. प्रमोद महाजन कलादालन, घोड़बंदर स्थित अग्निशमन केंद्र सहित शहर की परिवहन व्यवस्था का जायजा लिया गया।

महापौर डिंपल मेहता ने संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक स्थान पर उपलब्ध सुविधाओं, चल रहे विकास कार्यों, आवश्यक सुधारों तथा नागरिकों की दृष्टि से जरूरी सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सार्वजनिक सुविधाओं को अधिक सक्षम, गुणवत्तापूर्ण एवं नागरिकाभिमुख बनाने के लिए आवश्यक उपाययोजनाएं करने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने संबंधित विभागों को लंबित कार्यों में गति लाने तथा प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मनपा आयुक्त राधाबिनोद अ. शर्मा (भा.प्र.से.), उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील, स्थायी समिति सभापति हसमुख गहलोत, शहर अभियंता दीपक खांबित, कार्यकारी अभियंता नितीन मुकणे, सम्माननीय नगरसेवक एवं नगरसेविकाएं, उपअभियंता, शाखा अभियंता, कनिष्ठ अभियंता तथा संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। महापौर के इस निरीक्षण दौरे से शहर की विभिन्न नागरिक सुविधाओं एवं विकास कार्यों को गति मिलने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाने की उम्मीद है।

उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित पुलिस अधिकारियों का शिवसेना ने किया अभिनंदन

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के हाथों भारत सरकार के गृह मंत्रालय एवं महाराष्ट्र पुलिस की ओर से उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा के लिए कुल 25 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इनमें मीरा-भायंदर शहर से संजय शिन्त्रे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, गणपत दिनकर पिंगले, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड विभाग तथा राजेंद्र कांबले, पुलिस निरीक्षक, काशीमीरा पुलिस थाना को उत्कृष्ट सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया गया। पुलिस अधिकारियों की इस उपलब्धि पर शिवसेना प्रवक्ता राम भवन शर्मा ने अपने पदाधिकारियों के साथ उनसे मुलाकात कर पुष्पगुच्छ भेंट किए और उन्हें सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण

और उत्कृष्ट सेवा समाज की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिवसेना पदाधिकारियों ने सभी सम्मानित पुलिस अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

वरली पुलिस मुख्यालय में हर्षोल्लास से मना 80वां स्वतंत्रता दिवस

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की आजादी के 80 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सशस्त्र पुलिस विभाग-3 के वरली स्थित पुलिस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। पूरे परिसर में तिरंगे झंडों और देशभक्ति के नारों की गूंज सुनाई दी। समारोह में उपस्थित पुलिस उपायुक्त प्रशांत परदेशी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद उपस्थित सभी अधिकारियों व जवानों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं सभी लोगों ने एक दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में द ह्यूमन योग फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट योग गुरु राधेश्याम जयस्वार उपस्थित रहे। योग गुरु राधेश्याम जयस्वार ने अपने संबोधन में कहा कि देश की सुरक्षा और सेवा में दिन-रात जुटे पुलिस जवानों का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट

योग और प्राणायाम करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि नियमित योग से तनाव कम होने के साथ कार्यक्षमता और एकाग्रता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि द ह्यूमन योग फाउंडेशन पुलिस कल्याण के लिए सदैव सहयोग करने के लिए तत्पर रहेगा। समारोह के दौरान योग गुरु जयस्वार ने मंच पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास भी करवाया। पुलिस उपायुक्त प्रशांत परदेशी सहित अधिकारियों ने उनके साथ योग किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त श्री चिमटे, सौ. गावडे, डॉ. विष्णु पारकर, सतीश पवार सहित अनेक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस उपायुक्त प्रशांत परदेशी ने कहा कि मुंबई पुलिस नागरिकों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्पर है। उन्होंने बताया कि द ह्यूमन योग फाउंडेशन के सहयोग से जल्द ही पुलिस जवानों के लिए विशेष योग शिविर आयोजित किये जायेंगे।

जलसंधारण सप्ताह के तहत किया गया तालाब का जलपूजन एवं वृक्षारोपण

पालघर(उत्तरशक्ति)। मिट्टी और जल संरक्षण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने तथा सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य में 15 से 21 अगस्त 2026 तक जलसंधारण सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्कूलों में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, एक स्कूलझएक सोख्ता गड्ढा, जल एवं मृदा संरक्षण कार्यों का लोकार्पण, जलपूजन और वृक्षारोपण जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत जिला परिषद पालघर एवं ग्राम पंचायत उमरोली (तहसील पालघर) के संयुक्त तत्वावधान में 20 अगस्त को उमरोली स्थित गांव के तालाब का जलपूजन एवं तालाब परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों तालाब का विधिवत

जलपूजन किया गया। इसके बाद तालाब परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत उमरोली के सरपंच प्रभाकर पाटील, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सदस्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। लघु पाटबंधारे विभाग के कार्यकारी अभियंता दिलीप पाडवी ने जलसंधारण अभियान की रूपरेखा एवं इसके महत्व की जानकारी दी। वहीं सरपंच प्रभाकर पाटील ने गांव में किये गये विभिन्न जलसंधारण कार्यों की जानकारी अधिकारियों के समक्ष रखी। कार्यक्रम के बाद मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने ग्राम पंचायत उमरोली का दौरा कर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों एवं अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, ऑनलाइन प्रमाणपत्र वितरण, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्राम पंचायत के कामकाज की समीक्षा करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पंचायत प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने ग्रामीण विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए नागरिकों को समय पर सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

बस और स्कूल वैन की आमने-सामने टक्कर, कई बच्चे घायल

डीएम सैमुअल पॉल एन समेत अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धरमपुर में गुरुवार को बस और स्कूल वैन की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में स्कूल वैन में सवार कई बच्चे घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल राहत-बचाव कार्य शुरू कर घायल बच्चों को वैन से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे के समय वैन में करीब एक दर्जन बच्चे सवार थे।

हादसे में सात बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य बच्चों को भी चोटें आईं। आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। सूचना पर मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य में सहयोग किया। सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी सुजानगंज ले जाया गया। घायलों में आदित्य यादव (11), सिद्धार्थ यादव (10), प्रभाष यादव (12), अनिरुद्ध यादव (10), आर्यन यादव (10), आकाश तिवारी (10) और शिवम तिवारी (8) शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सिद्धार्थ यादव, प्रभाष यादव और आदित्य यादव की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष निरीक्षक गजानन चौबे, चौकी प्रभारी धनंजय राय और क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा मौके पर पहुंचीं। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे की खबर मिलते ही बच्चों के अभिभावक और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए।

बताया गया कि स्कूल वैन मुंगराबादशाहपुर की ओर से सुजानगंज जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस के चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बस ने वैन में साइड मार दी, जिससे वैन सड़क पर पलट गई।

सूचना मिलते ही मुंगरा बादशाहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू की। हादसे के कारण मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन, सहायक पुलिस अधीक्षक/सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने चिकित्सकों से घायल बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और सभी घायलों को बेहतर एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पुलिस के अनुसार हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। दुर्घटना के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने अस्पताल प्रशासन को घायल बच्चों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए हैं।

मिर्जापुर में मूसलाधार बारिश से दो कच्चे मकान गिरे, दंपती सहित तीन की मौत

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश गरीब परिवारों के लिए आफत बन गई है। बुधवार रात मड़िहान तहसील क्षेत्र के दो गांवों में कच्चे मकान ढहने से तीन वृद्ध लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। रजौहा में वृद्ध दंपती की मलबे में दबकर जान चली गई, जबकि बभनी-थपनवा में कच्चा मकान गिरने से महिला की मौत हो गई। प्रशासन ने दोनों पीड़ित परिवारों को आपदा राहत कोष से चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का एलान किया है। साथ ही आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की जांच कराने की बात कही है।

रजौहा गांव निवासी रमाशंकर सिंह पटेल (68) बुधवार रात करीब नौ बजे पत्नी अशोक कुमारी (68) के साथ भोजन करने के बाद खपरैल वाले कच्चे मकान में सोने चले गए। देर रात करीब 11 बजे कच्ची दीवार और खपरैल अचानक भरभराकर दोनों के ऊपर गिर गई। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को मलबे से बाहर निकाला। परिजन उन्हें सीएचसी मड़िहान ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बभनी थाना क्षेत्र के थपनवा गांव में हीरालाल (65) पत्नी केवली देवी (60) के साथ खेत पर बने कच्चे मकान में रहते थे। रात करीब एक बजे दीवार गिरने से दोनों मलबे में दब गए। सुबह ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां केवली देवी को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर हालत में हीरालाल को सीएचसी मड़िहान रेफर किया गया।

एसडीएम मड़िहान ने बताया कि पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। यह भी जांच होगी कि उन्हें प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ क्यों नहीं मिला। प्रशासन ने बारिश के दौरान कच्चे मकानों में रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की है।

राजस्व कार्यों की समीक्षा में अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजस्व कार्यों, आपदा प्रबंधन एवं मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं राजस्व पटलों पर लंबित मामलों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में संग्रह कार्यालय, नजारत सहित विभिन्न पटलों पर लंबित ऑडिट आपत्तियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबित ऑडिट आपत्तियों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके अलावा धारा-33, 34, 24 एवं 67 से संबंधित राजस्व वादों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान उपजिलाधिकारियों को बड़े बकायेदारों से प्रभावी वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अमीनों के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए उन्हें निर्धारित लक्ष्य के

अनुरूप कार्रवाई करने को कहा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में एंटी भू-माफिया अभियान की भी समीक्षा हुई। उपजिलाधिकारियों को सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने की कार्रवाई में तेजी लाने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक के अंत में अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण करने तथा लंबित प्रकरणों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ठ, नगर मजिस्ट्रेट, उपजिलाधिकारीगण सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जौनपुर की ऐतिहासिक धरोहर 'शाही पुल' खतरे में

समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को सौंपा पत्र, तत्काल मरम्मत की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गोमती नदी पर बना ऐतिहासिक शाही पुल (अकबरी पुल), जो जौनपुर की ऐतिहासिक पहचान और देश की बहुमूल्य सांस्कृतिक विरासत है, आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। पुल की अत्यंत दयनीय और जर्जर स्थिति को लेकर आज समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनवारूल हक गुड्डू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि राष्ट्रीय महत्व के इस स्मारक की जिम्मेदारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की है, लेकिन विभाग की घोर लापरवाही के कारण इस ऐतिहासिक धरोहर का अस्तित्व खतरे में आ गया है।

पुल की जर्जर स्थिति के मुख्य बिंदुः उगे जंगली पेड़ और झाड़ियां, पुल के पत्थरों के जोड़ों के बीच पीपल के पेड़ और जंगली झाड़-झंखाड़ बुरी तरह उग आए हैं।

गहरी होती दरारें: इन पेड़ों की फैलती जड़ों के कारण पत्थरों की पकड़ ढीली हो रही है, जिससे पुल में गंभीर दरारें आ रही हैं।

पुरातत्व विभाग की अनदेखीः एएसआई (अरक) द्वारा नियमित रख-रखाव और सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते वैज्ञानिक तरीके से इन पेड़ों को नहीं हटाया गया और पुल की मरम्मत नहीं की गई, तो इस ऐतिहासिक धरोहर को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। साथ ही, भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मांग की है कि वह स्वयं इस मामले का संज्ञान लें और पुरातत्व विभाग के अधिकारियों को शाही पुल की तत्काल सफाई, मरम्मत और संरक्षण के लिए कड़े निर्देश जारी करें। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रवण जायसवाल, अकरम मंसूरी,रियाजुल हक, एडवोकेट नुरुद्दीन मंसूरी, अंसार अंसारी सहित कई अन्य गणमान्य लोग और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनऊ में बैंककर्मी ने पत्नी और बहन की गोली मारकर हत्या की, फिर खुद को मारी गोली

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में गुरुवार को सनसनीखेज वारदात से हड़कंप मच गया। एसबीआई में कार्यरत बताए जा रहे मानस बाजपेई ने कथित तौर पर पहले अपनी पत्नी दिव्या मिश्रा की गोमतीनगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी। दिव्या बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। पत्नी को गोली मारने के बाद मानस अपने घर पहुंचा, जहां उसने अपनी बहन को भी गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एक ही घटना में तीन लोगों की मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

तलाक को लेकर चल रहा था विवादः प्रारंभिक पुलिस जांच में पति-पत्नी के बीच लंबे समय से वैवाहिक विवाद होने की बात सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार, दिव्या ने करीब एक वर्ष पहले पति से तलाक के लिए अदालत में याचिका दाखिल की थी। पुलिस इस विवाद को वारदात के संभावित कारणों में शामिल मानकर जांच कर रही है।

WhatsApp स्टेटस की भी जांचः रिपोर्टों के मुताबिक, वारदात के दौरान या उससे पहले मानस के WhatsApp स्टेटस से भी कई बातें सामने आई हैं। पुलिस मोबाइल फोन और कथित स्टेटस की जांच कर रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, CCTV फुटेज और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थलों से साक्ष्य जुटाए हैं और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस की विस्तृत जांच के बाद वारदात की वास्तविक वजह और घटनाक्रम की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी।

अहमदाबाद भेजे जाने वाला 11.98 लाख का माल हड़पने के मामले में दो गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक पुलिस ने माल हड़पने और धोखाधड़ी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट का ट्रक, अर्टिगा कार और दो बोरी चावल बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त 2026 को एक फर्म से करीब 11 लाख 98 हजार 750 रुपये मूल्य का माल अहमदाबाद, गुजरात भेजने के लिए ट्रक में लोड कराया गया था।

हालांकि माल निर्धारित गंतव्य तक नहीं पहुंचाया गया। मामले में चंदवक थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान फकरे आलम निवासी सेखनपुर, प्रतापगढ़ और शमीम अहमद निवासी सिसही सिपाह, प्रयागराज के नाम सामने आए। जांच में यह भी पता चला कि आरोपियों ने घटना में प्रयुक्त ट्रक का रंग बदलकर उसे बिना नंबर प्लेट के चलाया था। इसके अलावा फर्जी रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत किए जाने की बात भी सामने आई। इसके बाद मुकदमे में धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित अन्य धाराएं बढ़ाई गईं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत चंदवक पुलिस ने दोनों आरोपियों को 20 अगस्त को बलरामपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से अर्टिगा वाहन संख्या यूपी72 सीई 8587, बिना नंबर प्लेट का ट्रक और दो बोरी चावल बरामद किए। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह, उपनिरीक्षक विवेकानन्द सिंह, हेड कांस्टेबल रामनरेश, कांस्टेबल शेषनाथ यादव और कांस्टेबल कृष्ण कुमार शामिल रहे। पुलिस के मुताबिक मामले में थाना चंदवक में मुकदमा अपराध संख्या 251/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में अभियोग दर्ज है।

वननेस वन-प्रकृति के साथ समरसता

हरित भविष्य की ओर संत निरंकारी मिशन का जन आंदोलन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाबा हरदेव सिंह जी का दिव्य संदेश 'प्रदूषण अंदर हो या बाहर दोनों ही हानिकारक है', केवल पर्यावरण संरक्षण का आह्वान नहीं, बल्कि मानवीय चेतना को निर्मल और प्रकृति के प्रति उत्तरदायी बनाने का प्रेरणास्रोत है। इसी प्रेरणा को साकार रूप देते हुए संत निरंकारी मिशन अपनी पर्यावरण संरक्षण की पहल 'वननेस वन-प्रकृति के साथ समरस्ता' के माध्यम से हरित, संतुलित एवं सतत भविष्य के निर्माण हेतु निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन आशीर्वाद से अगस्त 2021 में प्रारम्भ हुई यह अनूठी पहल आज देशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। इसका उद्देश्य केवल वृक्षारोपण करना नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय संबंध को पुनर्जीवित करना, पर्यावरण संरक्षण को जीवन-मूल्य के रूप में स्थापित करना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित, स्वच्छ एवं संतुलित पृथ्वी का निर्माण करना है। समय के साथ यह अभियान निरंतर विस्तार पाते हुए देशभर में लाखों लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा दे रहा है। संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत के विभिन्न राज्यों में अब तक लगभग 350 वृक्ष समूह स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि 600 से अधिक 'वननेस वन' स्थलों पर श्रद्धालु एवं सेवादार पूर्ण समर्पण के साथ इन वृक्षों का संरक्षण एवं संवर्धन कर रहे हैं। यह अभियान केवल वृक्ष लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व तथा सामूहिक सहभागिता की संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है। इसी सतत प्रयास को आगे बढ़ाते हुए संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा 23 अगस्त, रविवार को इस महाअभियान के छठे चरण का शुभारंभ किया जा रहा है। यह अभियान देशभर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित 630 स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मिशन के लाखों श्रद्धालु एवं स्वयंसेवक समर्पित भाव से सहभागिता निभाते हुए लगभग 10 लाख पौधों का रोपण करेंगे। यह व्यापक अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ हरित एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण की दिशा में मंत्रएक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अभियान की विशेषता यह है कि मिशन केवल पौधे लगाने तक अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक निरंतर संरक्षण देने का संकल्प भी निभाता है। प्रत्येक पौधे की तीन से पाँच वर्षों तक नियमित देखभाल की जाएगी, ताकि वे विकसित होकर सघन लघु वनों का रूप लें, जैव विविधता को समृद्ध करें, स्थानीय इकोसिस्टम को सशक्त बनाएँ और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण प्रदान कर सकें। आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के पतन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में संत निरंकारी मिशन का यह हरित संकल्प प्रत्येक नागरिक को प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश देता है। यह अभियान हमें स्मरण कराता है कि धरती केवल हमारी विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सांझा जिम्मेदारी है। आइए, एक पौधा लगाकर, उसे वृक्ष बनाकर और प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेकर हम सभी इस हरित परिवर्तन के सहभागी बनें।

प्राथमिक विद्यालय कौली में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित

बच्चों को कॉपी-कलम और अभिभावकों को गमछा भेंट कर किया सम्मानित

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बक्शा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कौली में अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) एवं विद्यालय प्रबंध समिति (SMC) की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित उपस्थिति तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष एवं प्रधानाध्यापक सरोज सिंह तथा विद्यालय परिवार की ओर से बच्चों को शैक्षणिक प्रोत्साहन के लिए कॉपी और कलम वितरित किए गए। वहीं बैठक में मौजूद बच्चों के माता-पिता एवं अभिभावकों को गमछा पहनाकर एवं तालियों के साथ सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सरोज सिंह ने कहा कि बच्चों के

सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय, शिक्षक और अभिभावकों के बीच बेहतर तालमेल बेहद जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को नियमित रूप से साफ-सुथरी ड्रेस, बैग तथा जूते-मोजे के साथ विद्यालय भेजें। साथ ही घर लौटने के बाद बच्चों से दिनभर की पढ़ाई एवं विद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी लें।

बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए बच्चों की शिक्षा में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। बैठक में प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष एवं प्रधानाध्यापक सरोज सिंह, प्रतिभा यादव, अजीत कुमार सिंह, कुसुम यादव, कृष्ण कुमार यादव, रेखा सिंह, पवन, एसएमसी अध्यक्ष घनश्याम सहित विद्यालय परिवार, अभिभावक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने सद्भावना दिवस के रूप में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी की जयंती

सूचना और कम्प्यूटर क्रांति के जनक थे राजीव गांधी जी- डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी जी की जयंती कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन मे सद्भावना दिवस के रुप में मनाया गया। जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि स्व.राजीव गांधी जी दूरदर्शी सोच के नेता थे, उनके उदार व्यक्तित्व ने पूरी दुनिया में अमिट छाप छोड़ा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने देश के विकास में राजीव गांधी जी के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि सूचना और कंप्यूटर क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी जी ने

देश के युवाओं को मताधिकार का प्रयोग और पंचायती राज एक्ट के माध्यम से देश की मुख्य धारा में समाज के हर वर्ग के लोगों को समान अवसर प्रदान करने का क्रांतिकारी काम किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने स्व. राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस मौके पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान, डा. राकेश मिश्र मंगला गुरु,जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा, लाल प्रकाश पाल, राकेश सिंह डब्बू, अनिल सोनकर, निलेश सिंह , शहनवाज मंजूर, मुहम्मद ताहिर, इकबाल हुसैन, बृजेश प्रजापति, फैयाज हाशमी, जयमंगल यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आरपीएल प्रशिक्षण से किसानों को मिलेगी उन्नत खेती की तकनीकी जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा में गुरुवार को सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन

(आत्मा) योजना के तहत आरपीएल (रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग) आधारित विशेष कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में जिले के करीब 110 किसानों ने भाग लिया।

20 अगस्त से 1 सितंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लॉकवार किसानों को दो-दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्नत कृषि तकनीक, फसल संरक्षण, बीज चयन, मृदा परीक्षण, जल प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, कृषि उपकरणों के उपयोग तथा सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

उप परियोजना निदेशक (आत्मा) डॉ. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा तथा भविष्य में कृषि आधारित योजनाओं में प्रशिक्षित किसानों को प्राथमिकता दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और खेती में नए प्रयोगों को बढ़ावा देने में उपयोगी साबित होंगे।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. कंचन ने किसानों को किचन गार्डन तैयार करने तथा कम लागत में पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने की जानकारी दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ. रत्नाकर पांडेय ने बीज उत्पादन और श्रीअन्न की खेती के बारे में बताया। वहीं डॉ. राजीव सिंह ने सब्जियों, फलों और फूलों की उन्नत खेती की तकनीक समझाई।

इस अवसर पर डॉ. रुपेश सिंह, डॉ. हरिओम वर्मा, विषय वस्तु विशेषज्ञ अशोक पाल, बीटीएम राजकुमार भारती सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

विश्व मच्छर दिवस पर चला जागरूकता अभियान, मलेरिया-डेंगू से बचाव के बताए उपाय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला मलेरिया फाइलेरिया अधिकारी की टीम ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छर निरोधात्मक गतिविधियां चलाकर लोगों को मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया। नगरीय क्षेत्र जौनपुर के मतापुर में सहायक मलेरिया अधिकारी अशोक कुमार एवं फाइलेरिया निरीक्षक अभिषेक सोनकर के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। वहीं वार्ड मियापुर में पर्यवेक्षक सतेंद्र कुमार और राकेश सिंह की देखरेख में मलेरिया निरीक्षक चंद्रेश कुमार पटेल के नेतृत्व में टीम ने अभियान चलाया। ग्राम पतहना में पर्यवेक्षक इंद्रजीत सिंह, शिव शंकर वर्मा एवं क्षेत्रीय आशा कार्यकताओं ने ग्रामीणों को मच्छर जनित रोगों के लक्षण और बचाव की जानकारी दी।

अभियान के दौरान लोगों के बीच पोस्टर-पैम्फलेट वितरित किए गए। साथ ही मच्छरों के प्रजनन स्रोतों का सर्वे, सोर्स रिडक्शन तथा एंटी लार्वा रसायन का छिड़काव किया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मच्छरों के कारण मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, फाइलेरिया और दिमागी बुखार जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के

काटने से फैलता है। इसमें ठंड लगकर बुखार आना, खून की कमी और प्लीहा बढ़ना प्रमुख लक्षण हैं। वहीं डेंगू और चिकनगुनिया मादा एडीज मच्छर से फैलते हैं, जिनमें बुखार के साथ हड्डियों और जोड़ों में दर्द हो सकता है।

फाइलेरिया मादा क्यूलेक्स मच्छर से फैलता है। इसमें हाथ-पैर, स्तन या अंडकोष में सूजन आने की समस्या हो सकती है, जिसे हाथीपांव भी कहा जाता है। दिमागी बुखार में तेज बुखार, दिमागी कमजोरी और झटके जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की कि घर और आसपास साफ-सफाई रखें, झाड़ियों को न उगने दें तथा जलभराव न होने दें। कूलर, गमले और फ्रिज की ट्रे आदि में जमा पानी को सप्ताह में कम से कम एक बार बदलें। पानी की टंकियों को ढककर रखें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। विभाग ने यह भी अपील की कि बुखार होने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच और उपचार कराएं। मलेरिया, डेंगू सहित मच्छर जनित बीमारियों की जांच और उपचार के लिए आवश्यक दवाएं एवं जांच किट सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय तथा मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध हैं।

विंढमगंज पुलिस का बड़ा एक्शन, महिला संबंधी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

विंढमगंज, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। महिला संबंधी मामले में विंढमगंज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना विंढमगंज में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 109/2026 में धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 डीपी एक्ट के तहत मामला दर्ज था।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निर्देशन में पुलिस टीम ने 19 अगस्त 2026 को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान समशाद अंसारी उर्फ समशाद अली (30), जमसुद्दीन अंसारी उर्फ अजमुद्दीन (51) और तस्लीमा बीबी उर्फ तस्लीमा (46) के रूप में हुई है। तीनों ग्राम हुमेलदोहर, थाना विंढमगंज के निवासी बताए गए हैं।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर तीनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामधनी सिंह, हेड कांस्टेबल महफूज अली, कांस्टेबल धर्मेन्द्र और महिला कांस्टेबल प्राची सरोज शामिल रहीं।

प्रथम पुण्यतिथि पर गरीबों में वस्त्र एवं अन्य सामग्री वितरित

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र अंतर्गत लुत्तीपुर (नरहन) गांव में वरिष्ठ पत्रकार स्व. मदन गोपाल पाठक की प्रथम पुण्यतिथि पर बुधवार की सुबह उनके परिजनों द्वारा श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुत्र धर्म अभिषेक पाठक उर्फ रिशु एवं माता बिंदु पाठक की ओर से गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच वस्त्र सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार स्व. मदन गोपाल पाठक की आत्मा की शांति के लिए रामायण पाठ का आयोजन भी किया गया। परिजनों ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा और धार्मिक आयोजन के माध्यम से स्व. मदन गोपाल पाठक को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। वस्त्र एवं अन्य खाद्य सामग्री पाकर गरीब और जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। इस दौरान परिजनों एवं उपस्थित लोगों ने स्व. मदन गोपाल पाठक के व्यक्तित्व एवं उनके सामाजिक सरोकारों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोकतंत्र का आईना जल्द होगा पाठकों के बीच

— दयाशंकर आर. पांडेय की नई पुस्तक में सत्ता, व्यवस्था और समाज के सवालों पर बेबाक नजर

मुंबई। सत्ता से लेकर व्यवस्था तक, उन चेहरों और सच्चाइयों को सामने लाने का प्रयास किया गया है, जिन्हें अक्सर पर्दे के पीछे रखने की कोशिश की जाती है। लेखक दयाशंकर आर. पांडेय की नई पुस्तक लोकतंत्र का आईना जल्द ही पाठकों के बीच आने वाली है। अपनी लेखनी के माध्यम से दयाशंकर आर. पांडेय ने लोकतंत्र, सत्ता और सामाजिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को आईने की तरह पाठकों के सामने रखने का प्रयास किया है। यह कृति केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि व्यवस्था से पूछे गए उन सवालों की अभिव्यक्ति है, जिनके जवाब जनता लंबे समय से तलाश रही है। लोकतंत्र का आईना पाठकों को सोचने, सवाल करने और सामने आने वाली वास्तविकताओं को अपने नजरिए से परखने के लिए प्रेरित करेगी। पुस्तक में लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को बेबाक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। लेखक का मानना है कि लोकतंत्र की असली ताकत केवल सत्ता में नहीं, बल्कि जनता के सवाल पूछने और सच को पहचानने की क्षमता में भी निहित होती है।

चरक जयंती मनाई और लगाए हर्बल गार्डन में पौधे

उदयपुरवाटी। कस्बे के राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय डहरियान बावड़ी में चरक सप्ताह के अंतर्गत चरक जयंती का कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान चरक की विधिवत पूजा-अर्चना की गई और स्तुति कर उनको याद किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने चरक की शपथ भी ली तथा आयुर्वेद प्रवर्तक भगवान धन्वंतरि की वंदना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनों को महर्षि चरक द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में दिए गए अमूल्य योगदान, काय चिकित्सा की महत्ता तथा वर्तमान परिपेक्ष्य में आयुर्वेद की उपयोगिता और इसके निरापद गुणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के लिए आयुर्वेदिक दिनचर्या अपनाने,संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने तथा नियमित एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूक भी किया गया।साथ ही यहां के हर्बल गार्डन में औषधीय पौधे भी लगाए गए। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ.राजेंद्र कुमावत,कंपाउंडर विजय कुमार शर्मा,परिचारिका सुनीता सैनी,शिव कुमार स्वामी,मंगलचंद और रोगीजन उपस्थित रहे।

जिला कार्यालय में हुआ नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान

झुंझुनू। उपनिदेशक डॉ. अश्विनी कुमार आयुर्वेद विभाग के सानिध्य में जिला कार्यालय में बुधवार को यहां पर नव नियुक्त व स्थानांतरण होकर आये कर्मचारियों का स्टाफ द्वारा शानदार स्वागत सत्कार किया गया। जानकारी देते हुए वरिष्ठ कंपाउडर नथमल स्वामी ने बताया कि लेखाधिकारी हरीसिंह के स्थान पर एनसीसी पिलानी से स्थानांतरण होकर यहां पदभार वरिष्ठ लेखाधिकारी सविता पायल ने संभाला है तो वही नव नियुक्त परिचारक राहुल पारीक ने कार्यालय में रिक्त पद पर ज्वाइन किया है। उपनिदेशक कार्यालय में हुए इस स्वागत सत्कार के दौरान डा.अश्विनी कुमार उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग,पूर्व उपनिदेशक डॉ.जितेंद्र स्वामी,राम किशोर शर्मा अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी,धर्मपाल वरिष्ठ सहायक,जनार्दन कनिष्ठ सहायक,नरेंद्र कुमार, मंजीत, सरोज परिचारक अमर सिंह व राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में दो हादसों ने बुझाए दो घरों के चिराग, युवक और किशोर की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले में अलग-अलग हादसों में एक युवक और किशोर की मौत से दो परिवारों में मातम पसर गया। पवई थाना क्षेत्र में नीलगाय से टकराकर घायल हुए 26 वर्षीय युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि मेंहनगर क्षेत्र में पोखरे में डूबने से 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई।

पवई थाना क्षेत्र के महुआ गांव निवासी विकास कुमार (26) पुत्र लालता प्रसाद मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे मैगना बाजार से स्कूटी से घर लौट रहा था। मैगना बाजार-बिस्कुट फैन्ही मार्ग पर अचानक सामने नीलगाय आ जाने से उसकी स्कूटी उससे टकरा गई। हादसे में विकास गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे शाहगंज के निजी अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर लक्षरामपुर के निजी अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान गुरुवार तड़के करीब 3:30 बजे उसकी मौत हो गई। विकास मैगना बाजार में कॉस्मेटिक की दुकान चलाता था। वहीं दूसरी घटना में मेंहनगर थाना क्षेत्र के रहिला तितिलियापार गांव में बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे 15 वर्षीय अतुल कुमार पुत्र ओमप्रकाश की पोखरे में डूबने से मौत हो गई। बताया गया कि अतुल घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित पोखरे पर गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने काफी प्रयास के बाद अतुल को पानी से बाहर निकाला और निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों हादसों के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया, वहीं गांवों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

किसानों को बागवानी योजनाओं से जोड़ने पर जोर, मशरूम और मखाना खेती को मिलेगा बढ़ावा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. के निर्देश पर विकास भवन सभागार में एकीकृत बागवानी विकास मिशन, ह्यपर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन तथा मुख्यमंत्री औद्यानिक विकास योजना की जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने की।

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को मशरूम यूनिट की स्थापना, मखाना की खेती और मौनपालन से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है। मखाना खेती के इच्छुक किसानों के प्रशिक्षण के लिए बिहार में एक्सपोजर विजिट भी प्रस्तावित है।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने पर जोर दिया।बैठक में ह्यपर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन योजना के तहत किसानों को मिलने वाली सब्सिडी की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि लघु एवं सीमांत किसानों को ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर पर 90 प्रतिशत तक, जबकि पोर्टेबल स्प्रिंकलर एवं रेनगन पर 75 प्रतिशत तक अनुदान अनुमन्य है। इससे पानी, श्रम और समय की बचत के साथ फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है।

प्रगतिशील किसान सूर्यमणि यादव ने आम के बाग में ड्रिप इरीगेशन सिस्टम लगाने के बाद हुए लाभों की जानकारी साझा की। आम महोत्सव 2026 में मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने पर सीडीओ ने उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना जिले के डोभी, रामनगर, सुईथाकला, मुंगराबादशाहपुर और मछलीशहर विकासखंडों में संचालित है। सीडीओ ने इन क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति तथा अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए।बैठक में कृषि एवं उद्यान विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, नाबार्ड के अधिकारी, प्रगतिशील किसान और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में अरसला खानम रहीं विजेता ,एचआरडी विभाग में गूंजा सावन का उल्लास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग में पवित्र सावन माह के अवसर पर रिमझिम सावन-2026 कार्यक्रम का आयोजन उल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने भगवान शिव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। कार्यक्रम में खुशी सिंह, अमृता सिंह, अनु पाण्डेय एवं संजना मिश्र ने विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत किया। अनुराग तिवारी एवं कुणाल मिश्रा ने शिव मंत्र का गायन किया। पूजा साहू एवं हर्षित श्रीवास्तव ने सावन के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विचार व्यक्त किए, जबकि साक्षी जायसवाल ने स्वरचित कविता प्रस्तुत की। निधि सिंह ने सावन का महीना पवन करे शोर गीत तथा शिवानी श्रीवास्तव ने भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

रुपाली सिंह और दीक्षा प्रिया यादव ने सावन थीम पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। शिक्षक अनुपम कुमार ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश दिया। डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने परस्पर सहयोग एवं सामूहिक प्रगति की प्रेरणा दी और भजन प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रसिकेश ने कहा कि सावन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आत्म-विकास, सद्भाव एवं सृजनशीलता का उत्सव है। यह भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का बेहतरीन माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से व्यक्तित्व एवं समाज के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मेहंदी प्रतियोगिता रही। रितिका सिंह, अमृता सिंह, अरसला खानम, नंदनी सोनी, नंदनी यादव, वंशिका यादव, रुपाली सिंह एवं काजल वर्मा ने एचआरडी लोगो थीम पर मेहंदी डिजाइन प्रस्तुत किए। अरसला खानम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिन्हें सावन थीम का गिफ्ट हैम्पर देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन इवेंट हेड साक्षी जायसवाल, ऐश्वी अस्थाना एवं दीपा मोदनवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन काजल वर्मा ने किया। समापन पर छात्राओं ने वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया। इस अवसर पर दिव्यांशु सिंह, खुशी सिंह, अवंतिका यादव, ऋषिता चौरसिया, कुणाल मिश्रा, संजना मिश्र, उज्ज्वल सिंह, कपिल यादव, अभय सिंह सहित विभाग के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किसानों और सामाजिक मुद्दों को लेकर 30 अगस्त को जंतर-मंतर पर धरना

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने जम्मू-कश्मीर के किसानों, बागवानों, खिलाड़ियों और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को लेकर 30 अगस्त को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

जम्मू में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के किसानों और बागवानों के लिए सेब, अखरोट, बादाम, चेरी और केसर सहित अन्य उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने, आधुनिक कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था, प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान पर पर्याप्त मुआवजा तथा प्रभावी फसल बीमा लागू करने की मांग उठाई।

उन्होंने किसानों को सस्ती बिजली, खाद, डीजल, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने के साथ मंडियों में बिचौलियों की मनमानी रोकने और कृषि उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की मांग की। अरशद खान ने जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि जनता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से स्थानीय विकास और प्रशासन से जुड़े फैसलों में प्रभावी भागीदारी मिलनी चाहिए।उन्होंने जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों के लिए पारदर्शी चयन प्रक्रिया, बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक खेल सुविधाओं की मांग करते हुए खेल संस्थाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की।

इसके अलावा उन्होंने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े विवाद का समाधान कानून और न्यायिक प्रक्रिया के तहत करने तथा विद्यार्थियों के भविष्य की रक्षा की मांग की। मोहम्मद आजम खान और अब्दुल्लाह आजम खान से जुड़े मामलों में भी निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग उठाई। भारत किसान यूनियन ने इन मांगों को लेकर 30 अगस्त को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण धरना देने का निर्णय लिया है। अरशद खान ने किसानों, बागवानों, युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

पहले दिन ही 4200 वर्गमीटर बुक, विदेशी खरीदारों का भी बढ़ा रुझान

सुरेश गांधी

भदोही। भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय कारोबारी मंच इंडिया कार्पेट एक्सपो के 50वें गोल्डन जुबली संस्करण को लेकर बाजार की हलचल तेज हो गई है। चार से सात अक्टूबर तक कार्पेट एक्सपो मार्ट, भदोही में प्रस्तावित एक्सपो की स्टॉल बुकिंग शुरू होते ही निर्यातकों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। बुकिंग के पहले ही दिन करीब 4200 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र बुक हो गया। इससे साफ है कि स्वर्ण जयंती संस्करण को लेकर घरेलू निर्यातकों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार की उम्मीदें भी मजबूत हैं।

बुकिंग शुरू होते ही ग्राउंड फ्लोर का हॉल और शॉप एरिया पूरी तरह बुक हो गया। ऊपरी हॉल में भी सीमित स्थान ही अब उपलब्ध है। वहीं प्रथम और द्वितीय तल के शॉप एरिया में प्रदर्शनी स्थल अभी उपलब्ध हैं, जहां बुकिंग के लिए निर्यातकों की सक्रियता लगातार बनी हुई है। सीमित स्थान को देखते हुए परिषद ने इच्छुक निर्यातकों से जल्द बुकिंग सुनिश्चित करने की अपील की है।परिषद के अध्यक्ष मुकेश कुमार गोम्बर ने बताया कि एक्सपो की अंतरराष्ट्रीय तस्वीर भी उत्साह बढ़ाने वाली है। अब तक 42 देशों के 144 विदेशी खरीदार इसमें शामिल होने के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में खरीदारों की संख्या और बढ़ सकती है। स्वर्ण जयंती संस्करण में भारतीय कालीनों की नई डिजाइन, पारंपरिक शिल्प और आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप उत्पादों को वैश्विक खरीदारों के सामने रखने की तैयारी है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा आयोजित यह एक्सपो भारतीय कालीन उद्योग के लिए केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि वैश्विक कारोबार का महत्वपूर्ण संपर्क केंद्र है। विदेशी खरीदारों और भारतीय निर्यातकों की सीधी कारोबारी मुलाकातों के जरिए नए बाजार तलाशने, पुराने कारोबारी रिश्तों को मजबूत करने और निर्यात के नए अवसर खोलने की कोशिश होगी। भदोही के कालीन उद्योग के लिए 50वां संस्करण इसलिए भी खास है कि यह आयोजन जिले की हस्तनिर्मित कालीन परंपरा को वैश्विक बाजार में नई पहचान देने का अवसर लेकर आया है। परिषद को उम्मीद है कि गोल्डन जुबली इंडिया कार्पेट एक्सपो भारतीय कालीन निर्यात को नई गति देने के साथ भदोही समेत देशभर के निर्यातकों के लिए कारोबार के नए दरवाजे खोलेगा। पहले दिन की बुकिंग और विदेशी खरीदारों के पंजीकरण ने एक्सपो की शुरूआत से पहले ही उसकी संभावनाओं का संकेत दे दिया है।

एसएसपी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं एसएसपी के समक्ष रखीं।

एसएसपी ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक शिकायत पर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई के दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों की जांच कर समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन की ओर से आमजन की समस्याओं के समाधान और उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए नियमित जनसुनवाई की जा रही है।

अधिवक्ता संघ चुनाव में आचार संहिता सख्त, उल्लंघन पर निरस्त हो सकती है प्रत्याशिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी के वर्ष 2026 के चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आचार संहिता लागू कर दी गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह एडवोकेट ने सभी प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों से नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।

आचार संहिता के तहत 21 अगस्त से चुनाव परिणाम घोषित होने तक संघ परिसर, पं. मुरलीधर उपाध्याय भवन और दीवानी न्यायालय परिसर में पोस्टर, बैनर, पंपलेट, माइक अथवा किसी भी ध्वनि विस्तारक यंत्र से प्रचार पर रोक रहेगी। मतदाताओं के साथ दुर्व्यवहार, भय या दबाव बनाने, प्रदर्शन और नारेबाजी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

मतदान के दिन संघ भवन के अंदर, प्रवेश द्वार और भवन से 50 फीट के दायरे में किसी भी तरह का चुनाव प्रचार पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित प्रत्याशी की प्रत्याशिता निरस्त की जा सकती है। संघ परिसर में चुनावी बैठक के लिए तख्त, कुर्सी, मेज अथवा अन्य सामग्री लगाने पर भी रोक रहेगी।

प्रत्याशी संघ परिसर के बाहर पोस्टकार्ड आकार के प्रचार पत्र का इस्तेमाल कर सकेंगे, लेकिन मतदान के दिन परिसर या गेट पर प्रचार सामग्री का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा मतपत्र की मोबाइल फोन से फोटो खींचना भी गंभीर रूप से प्रतिबंधित किया गया है।

चुनाव के दिन संघ परिसर, गेट या आसपास के मार्ग पर दोपहिया अथवा चारपहिया वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित करने पर भी रोक रहेगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया कि आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशी या समर्थक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर प्रत्याशिता निरस्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि सभी प्रत्याशियों को नामांकन पत्र के साथ आचार संहिता की प्रति उपलब्ध कराई जा रही है और इसे सूचना पट्ट पर भी चस्पा किया गया है। संघ या दीवानी न्यायालय परिसर में लगाए गए पोस्टर-बैनर को 24 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय में सामग्री नहीं हटाने पर भी इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए प्रत्याशिता निरस्त की जा सकती है।

टाटा पावर ने बिहार में घर-घर सोलर की शुरूआत की

पटना (उत्तरशक्ति)। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड का हिस्सा और टाटा पावर कंपनी की सहायक कंपनी टाटा पावर सोलारूफ ने अपनी प्रमुख घर-घर सोलर पहल को बिहार में शुरू किया। इसके साथ ही राज्यभर में किफायती, भरोसेमंद और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की पहुंच बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस अभियान में रूफटॉप सोलर, बैटरी स्टोरेज, लचीली फाइनेंसिंग और समुदाय आधारित सहभागिता को एक साथ लाया गया है, ताकि घरों, व्यवसायों और समुदायों को अपनी ऊर्जा जरूरतों पर अधिक नियंत्रण रखने में मदद मिल सके। इस अवसर पर टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी प्रवीर सिन्हा ने कहा कि इस अभियान के तहत, टाटा पावर सोलारूफ अगले तीन वर्षों में बिहार के 5 लाख घरों में रूफटॉप सोलर अपनाने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है, जिससे राज्य को विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

चीनी की चढ़ती कीमत से मिठास पर संकट, छोटे कारोबारियों का कारोबार बंद

-सुरेश गांधी

वाराणसी। चीनी के दाम में पिछले 10-15 दिनों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने बिस्किट, कन्फेक्शनरी, मिठाई और छोटे खाद्य कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। काशी बिस्किट एंड कन्फेक्शनरी व्यापार मंडल की गुरुवार को अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के सिगरा स्थित आवास पर हुई आपात बैठक में व्यापारियों ने चीनी की बढ़ती कीमतों पर गहरा रोष जताया। व्यापारियों का कहना था कि लागत लगातार बढ़ने से छोटे और कुटीर उद्योगों के सामने कारोबार चलाना मुश्किल हो गया है और कई इकाइयां पिछले एक सप्ताह से बंद हैं। अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने कहा कि चीनी केवल कारोबार की कच्ची सामग्री नहीं, बल्कि आम आदमी की रसोई की आवश्यक वस्तु है। कीमतों में अचानक हुई वृद्धि का असर व्यापारी से लेकर उपभोक्ता तक पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बेकरी, मिठाई, टॉफी और कन्फेक्शनरी जैसे छोटे उद्योग पहले से ही मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। अब चीनी की कीमत ने उनकी लागत का गणित पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश निरंकारी ने कहा कि रक्षाबंधन और दुर्गापूजा जैसे त्योहारों के कारण आने वाले दिनों में मिठाइयों की मांग तेजी से बढ़ेगी। ऐसे समय चीनी के दाम में उछाल से मिठाई की लागत बढ़ना तय है। दूध, खोवा, घी, मैदा और ड्राई फ्रूट्स जैसी महंगी सामग्री के साथ चीनी की बढ़ी कीमत जुड़ने पर मिठाइयों के दाम बढ़ने की आशंका है। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। युवा वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि छोटे कारोबारी लागत और बिक्री मूल्य के बीच संतुलन

नहीं बना पा रहे हैं। लागत बढ़ने के बावजूद पूरा भार ग्राहक पर डालना संभव नहीं है। कीमत बढ़ाने पर बिक्री घटने का डर है और पुरानी कीमत पर बिक्री करने से मुनाफा लगातार सिमट रहा है।

भाजपा कल्याण बोर्ड के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार शर्मा ने कहा कि सरकार को बड़े थोक कारोबारियों और उद्योगपतियों के गोदामों में रखे चीनी के स्टॉक की भी निगरानी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह छोटे व्यापारियों के लिए स्टॉक सीमा निर्धारित होती है, उसी तरह बड़े भंडारकों के लिए भी प्रभावी स्टॉक सीमा तय हो, ताकि जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगे। युवा वाराणसी व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष दीप्तिमान देव गुप्ता ने कहा कि चीनी के बढ़ते दाम से आम आदमी का घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए चाय से लेकर मीठी चीजों तक की लागत बढ़ गई है। सरकार को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए।

युवा काशी बिस्किट एंड कन्फेक्शनरी व्यापार मंडल के महामंत्री मनीष गुप्ता ने जमाखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, चीनी के दाम तत्काल कम कराने और राशन की दुकानों के माध्यम से सस्ती चीनी उपलब्ध कराने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि यदि कीमतों पर जल्द नियंत्रण नहीं हुआ तो त्योहारों के बाजार में मिठाई और अन्य खाद्य उत्पादों की कीमतों पर इसका व्यापक असर दिखाई देगा। बैठक में रमेश निरंकारी, सुशील लखमणि, संजय गुप्ता, दीप्तिमान देव गुप्ता, मनीष गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, शरद गुप्ता, अंबे सिंह, जितेंद्र गुप्ता, नीरज गुप्ता, जय निहलानी, विकास गुप्ता, जीतन चौधरी, प्रिंस गुप्ता, रोशन जायसवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

हर 10 में से 6 प्रोफेशनल्स को लगता है कि उनका वेतन जॉब टाइटल के अनुरूप नहीं : इनडीड हायरिंग ट्रैकर

मुंबई। इनडीड के लेटेस्ट क्वाटर्ली हायरिंग ट्रैकर के मुताबिक, हर 10 में से लगभग 6 प्रोफेशनल्स का मानना है कि उनका वेतन उनके जॉब टाइटल के अनुरूप नहीं है। वहीं, करीब 80 प्रतिशत प्रोफेशनल्स का कहना है कि विभिन्न उद्योगों में बड़े या सीनियर जॉब टाइटल देने का चलन आम हो गया है, लेकिन उसके अनुरूप वेतन नहीं बढ़ता। इस पर इनडीड इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर शशि कुमार ने कहा, जॉब टाइटल प्रोफेशनल पहचान का अहम हिस्सा है, लेकिन इसका वास्तविक महत्व तब है जब यह करियर की स्थिर प्रगति को दर्शाए। प्रतिभाओं को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए संगठनों को जॉब टाइटल, जिम्मेदारी और वेतन के बीच बेहतर तालमेल बनाना होगा। पिछले दो वर्षों में जिन प्रोफेशनल्स का जॉब टाइटल बदला, उनमें से हर तीन में से एक का कहना है कि इसके साथ वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई या 5 प्रतिशत से कम वृद्धि हुई। वहीं, 52 प्रतिशत प्रोफेशनल्स नए अवसर तलाशते समय बेहतर जॉब टाइटल की बजाय बेहतर वेतन को प्राथमिकता देंगे।हालांकि, जॉब टाइटल का महत्व बरकरार है। करीब 70 प्रतिशत प्रोफेशनल्स का मानना है कि जॉब टाइटल भविष्य के करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 73 प्रतिशत का कहना है कि बेहतर जॉब टाइटल संभावित एम्प्लॉयर्स के बीच उनकी छवि मजबूत करता है, जबकि 57 प्रतिशत के अनुसार इसका उनके जॉब सैटिस्फैक्शन पर प्रभाव पड़ता है। सर्वे के मुताबिक, 57 प्रतिशत एम्प्लॉयर्स प्रतिभाओं को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए ज्यादा सीनियर या प्रभावशाली जॉब टाइटल का इस्तेमाल करते हैं। खासकर सीमित वेतन बजट की स्थिति में, जॉब टाइटल कर्मचारियों को आकर्षित करने, बेहतर प्रदर्शन करने वालों को बनाए रखने और करियर प्रगति को दशार्ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

मध्य प्रदेश में कैचमेंट एरिया के 140 एकड़ में जलाशयों को पुनर्जीवित करेगी ब्रिजस्टोन इंडिया

मुंबई। ब्रिजस्टोन इंडिया ने मध्य प्रदेश में पानी की कमी का सामना कर रहे क्षेत्रों में ग्राउंडवाटर रीचार्ज (भूजल पुनर्भरण) करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के प्रोजेक्ट प्रवाह के माध्यम से धार, मध्य प्रदेश में करीब 140 एकड़ के कैचमेंट एरिया के तीन पारंपरिक जलाशयों को लाभ होगा। कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इस पहल को समाज द्वारा संचालित किया जाएगा। इन क्षेत्रों में वर्षों तक अत्यधिक भूजल दोहन होने के कारण जल संकट की स्थिति बन गई है। धार जिला विगत कई वर्षों से पानी की गंभीर कमी और भूजल स्त्रोतों का जलस्तर गिरने जैसी स्थितियों का सामना कर रहा है। सालभर में जमीन में जितना पानी जाता है, उससे ज्यादा पानी निकाल लिया जा रहा है, जो कि पर्यावरण के प्रतिकूल तरीके से भूजल दोहन की तस्वीर दिखाता है। भूजल का स्तर 10 से 20 मीटर तक नीचे चला गया है, विशेषरूप से मानसून से पहले के महीनों में यह स्थिति दिखती है। इससे पीने के लिए पानी की उपलब्धता और सिंचाई जैसे कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

प्रोजेक्ट प्रवाह से जल सुरक्षा मजबूत हो रही है, स्थानीय इकोसिस्टम पुनर्जीवित हो रहा है और स्थानीय समुदायों को आगे बढ़ने में मदद मिल रही है। इस प्रोजेक्ट ने पर्यावरण आधारित रीस्टोरेशन, जमीनी स्तर पर जन सहभागिता और क्षेत्र की वंचित महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित करते हुए इस लक्ष्य को संभव बनाया है। इससे कंपनी की मौजूदा जैव विविधता की पहलों को मजबूती मिली है, जिसमें 9.5 एकड़ का जैव विविधता पार्क और पर्यावरण शिक्षा, जैव विविधता के प्रति जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कम्युनिटी गार्डन स्थापित करने जैसी पहलें शामिल हैं।

इस पहल का उद्देश्य 1.5 लाख टन भूजल का पुनर्भरण करना है। इससे घरों, घरेलू पशुओं और आसपास के खेतों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी। इससे जैव विविधता में योगदान मिलेगा और ग्रामीण समुदाय जलवायु परिवर्तन का सामना ज्यादा सक्षम तरीके से कर सकेंगे। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एचआर, एडमिन एवं सीएसआर सुधीर कुलकर्णी ने कहा, अपने परिचालन वाले क्षेत्रों में पर्यावरण एवं समुदायों की देखभाल करना ब्रिजस्टोन की केंद्रीय नीति का हिस्सा है। प्रोजेक्ट प्रवाह का लक्ष्य धार जिले के लोगों की पानी की कमी की गंभीर समस्या का समाधान करना है। प्रोजेक्ट प्रवाह के माध्यम से हम इन जलाशयों को पुनर्जीवित कर रहे हैं, जिससे आसपास के लोगों को लाभ होगा। प्रोजेक्ट प्रवाह के माध्यम से ब्रिजस्टोन इंडिया ने जलाशयों को पुनर्जीवित किया है, जल की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए, जैव विविधता को बढ़ावा देते हुए और पर्यावरण के अनुकूल भविष्य के लिए समुदायों को मजबूत करते हुए बेहतरीन गुणवत्ता के साथ समाज की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती दी है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने लॉन्च किया बीएसई 500 मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड

ठाणे। कंपनी ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह 'वैल्यू और मोमेंटम' (मूल्य और रुझान) पर आधारित निवेश विकल्प है जो ग्राहकों को चुनिंदा यूनिट-लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) के जरिए दीर्घकालिक स्तर पर इक्विटी में निवेश के अवसर का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य निवेश अधिकारी, श्री मनीष कुमार ने लॉन्च पर अपनी टिप्पणी में कहा, बीएसई 500 मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड को ग्राहकों को एक अनुशासित और पारदर्शी निवेश रणनीति प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जो निवेश के दो महत्वपूर्ण कारकों - वैल्यू और मोमेंटम - को जोड़ता है। ऐसे में जहां आकर्षक मूल्यांकन से बेहतर मूल्य पर खरीद का भरोसा मिल सकता है, वहीं सकारात्मक रुझान से बाजार का बढ़ता भरोसा जाहिर हो सकता है। यह रणनीति इन दो तत्वों को मिलाकर उन कंपनियों की पहचान कर पाती है जो दोनों पैमानों पर मजबूत दिखती हैं। इससे निवेशकों को मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए उभरते अवसरों में भाग लेने का मदद मिलती है। इस रणनीति के तहत व्यवस्थित दृष्टिकोण का पालन किया जाता है और तिमाही स्तर पर पोर्टफोलियो की समीक्षा की जाती है, जिससे यह बदलते बाजार मूल्यांकन और रुझान के साथ विकसित हो पाता है। हमारा मानना है कि इस दृष्टिकोण से ग्राहकों को निवेश अनुशासन बनाए रखते हुए दीर्घकालिक इक्विटी वृद्धि में भाग लेने का अलग तरीका मिल सकता है। यह फंड ग्राहकों को बीएसई 500 खंड से चुनी गई 50 कंपनियों के विविधीकृत दायरे में निवेश का अवसर प्रदान करता है और आईसीआईसीआई प्रू बीएसई 500 मोमेंटम वैल्यू 50 कस्टमाइज्ड इंडेक्स का अनुसरण करेगा।

अल्केम फाउंडेशन की 'वी केयर मंथ' पहल

मुंबई। अल्केम लैबोरेटरीज लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने जरूरतमंद बुजुर्गों के लिए व्हीलचेयर असेंबल करने की एक स्वयंसेवी पहल में हिस्सा लिया। यह पहल समाज और समुदाय से जुड़े कार्यों में कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने की अल्केम की संस्कृति को दर्शाती है। कंपनी की

सीएसआर शाखा अल्केम फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस पहल के तहत असेंबल की गई व्हीलचेयर हेल्पएज इंडिया के जरिए जरूरतमंद बुजुर्गों को दान की जाएंगी। सालभर चलने वाली विभिन्न सीएसआर पहलों के अलावा, अल्केम ने अगस्त का पूरा महीना कर्मचारियों की भागीदारी वाली सीएसआर गतिविधियों के लिए समर्पित किया है। इसके पीछे कंपनी का यह विश्वास है कि समाज के लिए योगदान की शुरुआत अपने घर से ही होती है। इसे 'वी केयर मंथ' नाम दिया गया है। इस दौरान कंपनी के कर्मचारी देशभर में सामुदायिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। अगस्त का महीना अल्केम के लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि इसी महीने कंपनी का फाउंडेशन डे और संस्थापक एवं चेयरमैन एमेरिटस स्वर्गीय संप्रदा सिंह तथा को-फाउंडर एवं एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बी.एन. सिंह का जन्मदिन आता है। इस पहल पर अल्केम की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीएसआर कमेटी की चेयरपर्सन मधुरिमा सिंह ने कहा, सामाजिक योगदान हमेशा से अल्केम की कार्यसंस्कृति का हिस्सा रहा है। हमारे संस्थापकों ने ऐसी संस्था की कल्पना की थी, जो लोगों के जीवन में बदलाव ला सके और यही सोच आज भी हमारी संस्कृति को दिशा देती है। हमारा मानना है कि सार्थक बदलाव तभी आता है, जब लोग समुदायों के कल्याण के लिए सिर्फ अपने संसाधन ही नहीं, बल्कि अपना समय और प्रयास भी देते हैं। 'वी केयर मंथ' के दौरान आयोजित एक और महत्वपूर्ण पहल रक्तदान अभियान था जिसमें कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

नवदुर्गा डेवलपर्स के कार्यालय पर सतीश चंद्र फौजी का स्वागत

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा स्थित श्री नवदुर्गा डेवलपर्स के कार्यालय पर अखिल प्रजापति कुंभकार समाज के पदाधिकारियों एवं समाजसेवी साथियों द्वारा समझदार पार्टी के प्रजापति समाज के नेता एवं देश सेवा के बाद समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय सतीश चंद्र फौजी साहब का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर अखिल प्रजापति कुंभकार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चंद्र प्रजापति, संस्थापक एवं प्रमुख महासचिव रमेश प्रजापति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज बहादुर प्रजापति एडवोकेट, बिल्डर संजय प्रजापति, राष्ट्रीय संयोजक मुंबई नागेंद्र प्रजापति, भाजपा नेता फूलचंद प्रजापति तथा पत्रकार चंदन महाकाल प्रजापति (उत्तरशक्ति) सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। स्वागत समारोह के दौरान सतीश चंद्र फौजी ने कहा कि देश सेवा के बाद समाज सेवा के माध्यम से समाज की एकता, संगठन की मजबूती और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करना उनका उद्देश्य है। उनके आगमन पर उपस्थित समाजबंधुओं में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम में समाज की एकता, संगठन को मजबूत करने, सामाजिक विकास तथा आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण एवं सार्थक चर्चा हुई। उपस्थित पदाधिकारियों ने समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने तथा आपसी एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर अखिल प्रजापति कुंभकार समाज की ओर से सतीश चंद्र फौजी का सम्मान करते हुए उनके सामाजिक प्रयासों की सराहना की गई।

गायक मुकेश की स्मृतियों के संरक्षण के लिए समिति गठित, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। भारतीय संगीत जगत के अमर स्वर और अपनी सुरीली गायकी से लाखों संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाले प्रसिद्ध गायक स्वर्गीय मुकेश की 27 अगस्त, 2026 को 50वीं पुण्यतिथि है। उनकी स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार की ओर से 'स्वर्गीय गायक मुकेश गौरव समिति' का गठन किया गया है। मुकेश ने हिंदी फिल्म जगत के साथ-साथ मराठी गीतों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, संगीत परंपरा और राष्ट्रीय एकता में अमूल्य योगदान दिया। उनके संगीत विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ नवोदित गायकों और कलाकारों को मंच तथा प्रोत्साहन देने में यह समिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुंबई शहर जिले में 'स्वर्गीय गायक मुकेश गौरव समिति' का गठन किया गया है। इस पृष्ठभूमि में समिति के अध्यक्ष पद पर महाराष्ट्र राज्य के कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की नियुक्ति की गई है। साथ ही शिवसेना के गटनेता अमेय घोले और प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता नील नितिन मुकेश समिति के सदस्य हैं। मुंबई शहर के जिलाधिकारी समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। दिवंगत गायक मुकेश ने अपनी मधुर आवाज के माध्यम से भारतीय संगीत जगत में अडिग स्थान बनाया। उनकी आवाज का जादू आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में कायम है। मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि उनकी समृद्ध संगीत विरासत का संरक्षण कर उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। उनकी स्मृतियों को संजोने के साथ-साथ नवोदित गायकों एवं कलाकारों को मंच उपलब्ध कराना, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और संगीत क्षेत्र की नई प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करना इस समिति का प्रमुख उद्देश्य होगा। उन्होंने कहा कि समिति के माध्यम से विभिन्न सांस्कृतिक उपक्रम आयोजित कर दिवंगत गायक मुकेश की संगीत विरासत को सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी।

रक्षाबंधन पर काई इंडिया का खास ब्यूटी कॉम्बो, बहनों के लिए रोजमर्रा की देखभाल का खूबसूरत तोहफा

मुंबई। रक्षाबंधन भाई-बहन के उस खास रिश्ते का पर्व है, जहां एक छोटा-सा तोहफा भी प्यार और अपनापन का अहसास करा जाता है। बदलते दौर में लोग ऐसे उपहारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जो रिश्ते की मजबूती के साथ रोजमर्रा की जरूरत में भी काम आएं। इसी सोच के साथ दुनियाभर में प्रसिद्ध जापानी ब्रांड काई ग्रुप की भारतीय इकाई काई इंडिया ने काई स्पेशल ब्यूटी कॉम्बो पेश किया है। इसमें जापानी तकनीक और सटीकता के साथ सुंदरता और व्यक्तिगत देखभाल से जुड़े रोजमर्रा के जरूरी उत्पादों को एक साथ शामिल किया गया है। बहनों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस कॉम्बो में तीन खास उत्पाद शामिल हैं। प्रोफेशनल पैडल हेयर ब्रश में प्राकृतिक बोअर ब्रिसल्स और गोलाकार नायलॉन ब्रिसल्स दिए गए हैं, जो बालों को धीरे से सुलझाने, उलझन और रूखापन कम करने तथा उन्हें मुलायम और संवारे हुए रूप में रखने में मदद करते हैं। वहीं प्रिटी आइब्रो ग्रूमिंग रेजर में स्टेनलेस स्टील ब्लेड और आरामदायक कुशन वाला हैंडल दिया गया है, जिससे आइब्रो को आसानी से और सटीक आकार दिया जा सकता है। इसका इस्तेमाल चेहरे के बारीक बाल हटाने के लिए भी किया जा सकता है। कॉम्बो में शामिल त्सुमेकिरी नेल क्लिपर जापानी तकनीक से तैयार किया गया है, जो नाखूनों को साफ और सटीक तरीके से काटने में मदद करता है। इसमें नेल फाइल और नाखूनों के आसपास जमा गंदगी साफ करने के लिए ग्राइम रिमूवर भी दिया गया है, जिससे रोजाना की नाखून देखभाल आसान हो जाती है। रक्षाबंधन पर इस खास पेशकश के बारे में चंदन बिस्वाल, मार्केटिंग एवं ई-कॉमर्स प्रमुख, काई इंडिया ने कहा, ह्लराखी हमें भाई-बहन के रिश्ते को खास बनाने वाली छोटी-छोटी बातों की याद दिलाती है। आज उपहार चुनते समय लोग ऐसी चीजों को भी प्राथमिकता देते हैं, जो उनके अपनों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन सकें। काई स्पेशल ब्यूटी कॉम्बो के जरिए हमने रोजाना इस्तेमाल होने वाले ग्रूमिंग उत्पादों को एक साथ रखा है, ताकि बहनों को इस राखी पर खुद के लिए थोड़ा और समय देने का एक खूबसूरत और उपयोगी जरिया मिल सके। काई स्पेशल ब्यूटी कॉम्बो की कीमत 1,048 रुपये है और यह काई इंडिया की ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध है। रक्षाबंधन के मौके पर बहनों के लिए यह ऐसा उपहार है, जो रोजमर्रा की सुंदरता और व्यक्तिगत देखभाल को थोड़ा और खास बना सकता है।

ग्रिप इन्वेस्ट ने ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल की शुरूआत की

मुंबई। ग्रिप इन्वेस्ट ने आज ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल (GIBF) के पहले संस्करण की शुरूआत की। फिक्स्ड-इनकम निवेश को समर्पित इस फेस्टिवल में एनएसई वेन्यू पार्टनर और एनएसडीएल डिपॉजिटरी पार्टनर के रूप में शामिल हैं। यह 18 से 31 अगस्त तक चलने वाले दो सप्ताह के राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत का प्रतीक है। यह अभियान बांड्स और अन्य फिक्स्ड-इनकम उत्पादों को एक आकर्षक रिटेल निवेश विकल्प के रूप में बढ़ावा देने और जागरूकता पैदा करने के लिए नियामकों, बॉन्ड जारीकताओं, बाजार के बुनियादी ढांचा संस्थानों, इकोसिस्टम पार्टनर्स और निवेशकों को एक साथ लाता है। भारत का कॉर्पोरेट बांड बाजार 59 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है, जबकि 1% से भी कम भारतीय परिवार बॉन्ड्स में निवेश करते हैं। यह व्यक्तिगत निवेशकों की व्यापक भागीदारी के लिए एक बड़े अवसर को रेखांकित करता है। जीआईबीएफ का उद्देश्य प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, इन्फ्लुएंसर्स और एफिलिएट प्लेटफॉर्म्स पर फैले 360-डिग्री अभियान और अभियान अवधि के दौरान उपलब्ध निवेशक-केंद्रित पेशकशों के माध्यम से इस अंतर को दूर करना है। इस अभियान को एनएसई (NSE) बतौर वेन्यू पार्टनर और एनएसडीएल द्वारा डिपॉजिटरी पार्टनर के रूप में अपना समर्थन दे रहे हैं। इसके साथ ही टाटा न्यू, ईटी मनी, मोबिक्विक, कंपाउंड एक्सप्रेस (डीएसपी ग्रुप) और एलीवेस्ट बाय इंश्योरेंसदेखो इकोसिस्टम पार्टनर्स के रूप में इसमें शामिल हुए हैं। इस लॉन्च के बारे में ग्रिप इन्वेस्ट के संस्थापक निखिल अग्रवाल ने कहा, जीआईबीएफ एक उत्सव होने के साथ ही जागरूकता बढ़ाने की एक पहल भी है।

सुमीत फैसिलिटीज का जुहू बीच पर सफाई अभियान, छह घंटों में 86 टन कचरा हटाया

मुंबई। मानसून के दौरान, समुद्र के किनारे, कचरे को हटाने के लिए सुमीत फैसिलिटीज ने जुहू बीच पर विशेष सफाई अभियान चलाया। छह घंटे चले अभियान में करीब ८६ टन कचरा हटाया गया। इसमें सुमीत ग्रुप के २२० कर्मचारी, स्थानीय स्वयंसेवक शामिल रहे। कचरा

हटाने के लिए ट्रैक्टर्स और दूसरी मशीनरी का भी इस्तेमाल किया गया। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) के अध्यक्ष सिद्धेश रामदास कदम ने जुहू बीच पहुंचकर सफाई अभियान का जायजा लिया। उन्होंने अभियान में लगाए गए कर्मचारियों और मशीनरी का निरीक्षण किया। एमपीसीबी अध्यक्ष सिद्धेश कदम ने कहा, हमें नागरिक के तौर पर खुद से पूछना चाहिए कि पर्यावरण के लिए हम क्या कर रहे हैं। समुद्र तट पर दिखाई देने वाला कचरा अक्सर उन्हीं उत्पादों से आता है, जिनका हम इस्तेमाल करते हैं और फिर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से फेंक देते हैं। बारिश के दौरान मुंबई के समुद्र तटों पर पहुंचने वाले कचरे की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है। मुंबई के समुद्र तटों को स्वच्छ रखने के लिए नागरिकों, प्रशासन और जिम्मेदार संगठनों को मिलकर एक सामूहिक अभियान चलाना होगा। सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज के कार्यकारी अध्यक्ष सुमित सालुंखे ने कहा, हमारे लिए कॉर्पोरेट जिम्मेदारी का मतलब जरूरत के समय आगे आकर योगदान देना है। जुहू बीच पर करीब ८६ टन कचरा जमा होना बताता है कि बरसात के दौरान मुंबई के समुद्र तटों पर सफाई की कितनी बड़ी जरूरत है। मुझे खुशी है कि हमारी टीम के २२० सदस्य स्वयंसेवकों और मशीनरी के साथ इस अभियान में जुटे। मैं एमपीसीबी के अध्यक्ष सिद्धेश कदम जी का इस पहल के लिए सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। सरकार, नागरिकों और निजी संस्थाओं को मिलकर काम करना जरूरी है, क्योंकि पर्यावरण से जुड़ी इतनी बड़ी समस्या का समाधान अकेले किसी एक संस्था के लिए संभव नहीं है। सालुंखे ने आगे कहा, ह्लकिसी कंपनी की जिम्मेदारी सिर्फ कारोबार तक सीमित नहीं होती। जिस समाज और पर्यावरण के बीच हम काम करते हैं, उसके लिए योगदान देना भी हमारी जिम्मेदारी है।

पुणे में पुणे मशीन टूल एक्सपो और फैक्ट्री इक्विपमेंट एक्सपो 2026 आयोजित करेगा IMTMA

भारत के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम से बड़ी भागीदारी की उम्मीद

मुंबई। इंडियन मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (IMTMA) 7 से 10 सितंबर 2026 तक पुणे इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (PIECC), मोशी, पुणे में फैक्ट्री इक्विपमेंट एक्सपो (FACTEQ) 2026 के साथ पुणे मशीन टूल एक्सपो (PMTX) 2026 आयोजित करेगा। यह घोषणा आज मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। PMTX एक प्रमुख B2B प्रदर्शनी है जिसमें एडवांस्ड मशीन टूल्स, मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, फैक्ट्री ऑटोमेशन और प्रिसिजन इंजीनियरिंग समाधान प्रदर्शित किए जाते हैं। FACTEQ फैक्ट्री इक्विपमेंट पर केंद्रित एक खास प्रदर्शनी है, जो नई फैक्ट्रियों की जरूरतों और मौजूदा सुविधाओं को अपग्रेड करने की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उत्पादों और समाधानों पर ध्यान केंद्रित करती है। IMTMA पुणे में 'पुणे मशीन टूल एक्सपो' (PMTX) और 'फैक्ट्री इक्विपमेंट एक्सपो' (FACTEQ) 2026 आयोजित करेगा, जिसमें भारत के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम से बड़ी भागीदारी की उम्मीद है।

175 से ज्यादा एग्ज़िबिटर मशीन टूल्स, मेटल कटिंग, मेटल फॉर्मिंग, टूलिंग, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेट्रोलॉजी और डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही, फैक्ट्री इक्विपमेंट, मटीरियल हैंडलिंग, इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी-एफि शिएंट सिस्टम और स्मार्ट फैक्ट्री सॉल्यूशंस भी दिखाए जाएंगे। ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, जनरल और हेवी इंजीनियरिंग, कैपिटल गुड्स और कई अन्य सेक्टर से बिजनेस विज़िटर्स के आने की उम्मीद है। पुणे भारत के सबसे महत्वपूर्ण मैन्युफैक्चरिंग और इंजीनियरिंग सेंटर्स में से एक है। इस एक्सपो का मकसद मशीन टूल और मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री को ऐसे समाधानों को परखने, एक्सपर्ट्स से बातचीत करने और मशीनों व फैक्ट्री सिस्टम्स को लाइव देखने का मौका देना है। यह एक्सपो विज़िटर्स को प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी और फैक्ट्री इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े समाधानों के बारे में जानने में मदद करेगा।

IMTMA के डायरेक्टर जनरल और उएड मिस्टर जिबाक दासगुप्ता के अनुसार आज मैन्युफैक्चरर्स सिर्फ. मशीनें नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी को एंड-टू-एंड सॉल्यूशन देते हुए देखना चाहते हैं। मशीनों का लाइव डेमो, सर्विस से जुड़े प्रस्ताव और टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स के साथ सीधे बातचीत से तेजी से और बेहतर जानकारी के साथ इन्वेस्टमेंट के फैसले लेने में मदद मिलेगी।

पश्चिमी भारत, भारत के इंजीनियरिंग आउटपुट में अहम योगदान देता रहेगा। कुल मिलाकर IMTMA को OEMs कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियों, MSMEs और फैक्टरी मैनेजरों की अच्छी भागीदारी की उम्मीद है, जो ऑटोमेशन, क्वालिटी बेहतर बनाने और लागत कम करने के तरीकों पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यह एक्सपो बिजनेस नेटवर्किंग, सप्लायर खोजने, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और औद्योगिक सहयोग के अवसर भी पैदा करता है। ट्रेड विज़िटर ऑनलाइन रजिस्टर कर सकते हैं और रजिस्टर्ड इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के लिए एग्ज़िबिशन में एंट्री फ्री होगी।